रायपुर। रविवार, 06 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 35/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया...
@ साहित्य केसरी अनुभूति...
@ व्यापार एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी...

विश्व केसरी खबर झरोखा

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया, ट्रैफिक पर असर पड़ा और पूरी राजधानी में आम जनजीवन प्रभावित हुआ। कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के पास पानी जमा हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। दुकानदारों में भी चिंता बढ़ गई क्योंकि बारिश का पानी आस-पास की कई दुकानों में घुसने लगा था। ग्रेटर नोएडा और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जबकि दिल्ली के कई इलाकों में भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई। मंडी हाउस के पास गोल चक्कर पर जलभराव की खबर मिली, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई और ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई।

JLR पर बढ़ा लागत और टैरिफ का दबाव

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बढ़ती लागत, कमजोर मांग और अमेरिका द्वारा लगाए गए आयात शुल्क जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। अब कंपनी अगले दो वर्षों में ब्रिटेन में करीब 4,000 नौकरियों में कटौती की तैयारी कर रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। 'द टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, जेएलआर सोमवार को औपचारिक रूप से छंटनी कार्यक्रम की घोषणा कर सकती है। इससे पहले कंपनी ने शुक्रवार को कर्मचारियों को बताया था कि यह कदम जल्द उठाया जाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाहन निर्माता कंपनी ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स और मर्सीसाइड के हेलवुड स्थित अपने प्लांट्स में करीब 34,000 लोगों को रोजगार देती है। इसके अलावा, कंपनी की घरेलू सप्लाई चेन के जरिए अनुमानित 1.20 लाख नौकरियों को भी समर्थन मिलता है।

यूएन के फैसले का हिमंता सरमा ने किया स्वागत, बोले- बाल विवाह के लिए समाज में कोई जगह नहीं

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा बाल विवाह के खिलाफ भारत का समर्थन करने के फैसले का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 27 नवंबर को बाल, कम उम्र और जबरदस्ती शादी को खत्म करने के लिए बाल विवाह उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी के लिए कोई जगह नहीं है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अब तो यूएन भी उस बात से सहमत है, जो हम असम में अपने पिछले कार्यकाल से ही कहते आ रहे हैं। हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी की कोई जगह नहीं है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र में शादी और जबरन शादी को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया है, जो इस बुराई को खत्म करने के वैश्विक समर्थन के तौर पर काम करेगा।

झीरम का न्याय या अधूरा इंसाफ?

13 साल बाद 10 दोषी, मगर कई सवाल अब भी अनुत्तरित

भूपेशः NIA ने लीपापोती की, षंडयंत्रकारियों को बचा रही है

विशेष संवाददाता ■ जगदलपुर

झीरम घाटी नक्सली हमले मामले में शनिवार 5 सितंबर को जगदलपुर स्थित NIA कोर्ट ने सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। इस केस में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर शनिवार को फैसला आया। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए थे।

दरअसल, 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी थी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी थी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि एनआईए ने लीपापोती का काम किया। एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम कर रही है। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। 25 मई 2013 को झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में दिग्गज कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की जान गई थी। इसमें 10 पुलिसकर्मी शामिल थे। हमले में 38 लोग घायल हुए थे।

वहीं 10 आरोपियों की पैरवी कर रहे वकील अरविंद चौधरी ने कहा कि वे फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। एक आरोपी के बेटे ने कहा कि उनके पिता को फंसाया गया है। वे नक्सली संगठन में शामिल ही नहीं थे। इस फैसले पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बस्तर जानता है कि कांग्रेस नेताओं और जवानों की हत्या राजनीतिक षड्यंत्र और सुपारी किलिंग थी। सत्ता हासिल करने के लिए हत्याएं कराई गई थीं। जिन 10 लोगों को आरोपी बनाया गया, वे बड़े नक्सली नहीं थे।

"एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम कर रही है।

भूपेश बघेल
पूर्व सीएम

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने झीराम घाटी हत्याकांड मामले में अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस नेता भूपेश बघेल की टिप्पणियों पर दिए अपने बयान में कहा, पांच साल तक सरकार रही, उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया? एनआईए की जांच सही साबित होने के बाद ही अदालत ने सजा सुनाई। जब जांच एनआईए को सौंपी गई थी, तब केंद्र में यूपीए सरकार सत्ता में थी।

विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री

रूस की प्रतिमा पर जापान नाराज, हटाने की मांग

एजेंसी ■ टोक्यो

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने शनिवार को रूस से खबारोव्स्क में लगाई गई 'वॉर विक्ट्री प्रतिमा' को हटाने की अपील की। इस मूर्ति में एक सोवियत सैनिक को 'क्रिसेंथेमम' (गुलदाउदी के फूल जैसा) निशान वाले पत्थर के खंभे या मार्कर को नष्ट करते हुए दिखाया गया है।

'क्रिसेंथेमम' का निशान जापान की पहचान माना जाता है। क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताकाइची का कहना है कि इसके विनाश को दिखाने वाले स्मारक को लगाना 'बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं' है।

वहीं, विदेश मंत्री ने एक बयान जारी कर कहा, 4 सितंबर को खाबरोव्स्क में लगाई गई कांस्य प्रतिमा में जापानी चिह्न को नष्ट करते दिखाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ये प्रतिमा रचनात्मक नहीं कही जा सकती खासकर तब जब गुलदाउदी का फूल जो जापान को दर्शाता है।

मलबे में 10 दिन फंसी महिला जिंदा मिली

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल में भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद भी हजारों लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच शनिवार को राहत और बचाव दलों ने अलग-अलग अभियानों में एक चीनी नागरिक और एक नेपाली महिला को जिंदा बचा लिया।

नुवाकोट में 64 साल की महिला का रेस्क्यू किया गया। उनके घर का निचला हिस्सा मोटी कीचड़ की परत में पूरी तरह दब गया था और वह उसी में फंस गई थीं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया है।

वहीं, नेपाली सेना और दक्षिण कोरिया की रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला। वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था। बचाव के बाद उसकी स्वास्थ्य जांच की जा रही है। तस्वीरों में उसे सुरंग से बाहर निकालने के बाद हेलिकॉप्टर से ले जाते हुए देखा गया।

निशु आजाद केस में गिरफ्तार स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

निशु आजाद केस में खुद को इन्फ्लुएंसर बताने वाले स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। भारद्वाज ने दावा किया था कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान उसने एक छात्र प्रदर्शनकारी के पिता से मारपीट की थी। पुलिस ने भारद्वाज को पटियाला हाउस कोर्ट के जज के घर पर पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

एक दिन पहले, दिल्ली पुलिस ने भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में हिरासत में लिया था। शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि वे आरोपी को पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और हत्या की कोशिश की धाराओं के तहत 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करेंगे। सीजेपी के इस विरोध प्रदर्शन में सांसद चंद्रशेखर, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव और इंडियन यूथ कांग्रेस भी शामिल हुए।

निष्ठावान शिक्षक अग्रणी पंक्ति के राष्ट्र निर्माताः राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शिक्षक दिवस के मौके पर शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 48 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि निष्ठावान शिक्षक अग्रणी पंक्ति के राष्ट्र निर्माता होते हैं।

राष्ट्रपति ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाकर हमारे देशवासी उनके और समस्त शिक्षक समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। जो समाज शिक्षकों का सम्मान करता है, वह वास्तव में प्रगतिशील होता है।

राष्ट्रपति ने कहा, शिक्षकों के बीच आकर मेरे अंदर विद्यमान शिक्षक और विद्यार्थी जीवंत हो जाता है। मुझे अपने शिक्षकों का स्मरण होता है। शिक्षकों के स्नेह और मार्गदर्शन की वजह से अपनी जीवन यात्रा में आगे आ पाई हूं। मुझे अपने विद्यार्थी भी याद आते हैं, जिन्हें ओडिशा के स्कूल में पढ़ाया था।

पीएम मोदी का मेट्रो सफर, छात्रों से संवाद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से पहुंचे। मेट्रो में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रियों और छात्रों से बातचीत की। उनके हाथ में मेट्रो कार्ड भी नजर आया।

प्रधानमंत्री की मेट्रो यात्रा ने आम यात्रियों के रोजमर्रा के सफर को खास बना दिया। पीएम मोदी ने ट्रेन में मौजूद लोगों से बातचीत की और छात्रों से भी संवाद किया। इसके बाद वह एसआरसीसी के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें शताब्दी समारोह को संबोधित करना है।

13 साल पहले गए क्यों एसआरसीसी गए थे पीएम मोदी?

एसआरसीसी अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी भी समारोह में मौजूद रहे। शताब्दी समारोह का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के मौके पर किया जा रहा है। कार्यक्रम में कॉलेज के वर्तमान छात्रों के साथ पूर्व प्राचार्य, शिक्षक और पूर्व छात्र भी शामिल हुए। इस तरह समारोह में संस्थान की अलग-अलग पीढ़ियों की भागीदारी देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले 2013 में एसआरसीसी पहुंचे थे। उस समय वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। करीब 13 साल बाद उनका कॉलेज पहुंचना इस संस्थान के साथ उनके पुराने जुड़ाव को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी का एसआरसीसी का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब भारतीय जनता पार्टी युवा पीढ़ी तक अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास कर रही है।

इस साल अप्रैल में प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर कॉलेज के शासी निकाय और प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। यह मुलाकात संस्थान की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने एक विशेष स्मारक डाक टिकट भी जारी किया था।

तीर तेवर — सागर कुमार

'ये सरकार की पूर्ण विफलता': राहुल गांधी

बालाघाट के बैहर-बिरसा क्षेत्र में बीमारियों से 30 बच्चों की मौत पर जताई चिंता

एजेंसी ■ बालाघाट

मध्य प्रदेश स्थित बालाघाट के बैहर-बिरसा क्षेत्र में मलेरिया और मौसमी बीमारियों से हुई तीस बच्चों की मौत पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बालाघाट, मध्य प्रदेश में 30 आदिवासी बच्चों की मृत्यु की खबर बेहद चिंताजनक और पीड़ादायक है। इस घातक बीमारी के साथ पीने के पानी, पोषण, और समय पर इलाज जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बच्चों की जान ले रहा है। उन्होंने कहा कि ये सरकार की पूर्ण विफलता है। मुख्यमंत्री स्वयं इसका समाधान करें और क्षेत्र में तत्काल जांच, इलाज और राहत उपलब्ध कराएं। बच्चों की जिंदगी से समझौता नहीं हो सकता।

बैगा आदिवासी ग्राम अतरिया आरामटोला निवासी 10 वर्षीय गजेंद्र मरकाम की गुरुवार 3 सितंबर को मौत हो गई थी। शुरुआती जानकारी में बच्चे की तबीयत खराब होने और मलेरिया से पीड़ित होनी की बात सामने आई थी। हालांकि मौत के वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की जांच और मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही होगी। इसके साथ ही क्षेत्र में मृतकों की संख्या 29 से बढ़कर 30 हो गई है। आदिवासी बाहुल्य इस क्षेत्र में लगातार हो रही मौतों की वजह से ग्रामीणों के बीच खौफ का माहौल है। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतक बच्चों के परिजनों के दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा की राज्य सरकार के हालात संभालने के तरीके पर निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार मौतों के बारे में तथ्य छिपा रही है और मरने वालों की असल संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है।

बिरसा ब्लॉक के कुंडेक्सा, कोरका और बोंडारी गांवों में घर-घर जाकर किए गए हेल्थ सर्वे में मलेरिया, दस्त, रैशेज (चकत्ते) के साथ बुखार और त्वचा की बीमारियों के कुल 798 मामले सामने आए। रविवार तक की सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 320 लोग मलेरिया, 155 दस्त, 146 शरीर पर रैशेज के साथ बुखार और 177 त्वचा की बीमारियों से पीड़ित पाए गए।

गंगा, साहित्य और संस्कृति के संगम का साक्षी बना द्वितीय अंतरराष्ट्रीय दिव्य गंगा महोत्सव एवं साहित्यिक कुंभ

विश्व केसरी■

दिल्ली । दिल्ली की साहित्यकारा मंच संचालिका मनीषा आवले चौगांवकर गंगा सेवी सम्मान एवं टीजीटी साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित।

हरिद्वार, उत्तराखंड। गंगा की निर्मल धारा, साहित्य की संवेदना और सनातन संस्कृति की चेतना के संगम का साक्षी हरिद्वार में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय दिव्य गंगा महोत्सव एवं साहित्यिक कुंभ बना। दिव्य गंगा सेवा मिशन, हरिद्वार द्वारा अवधूत मंडल आश्रम के तत्वावधान में 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय आयोजन में साहित्यिक विमर्श, शोध-पत्र वाचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, बौद्धिक सत्र, सम्मान समारोह और भव्य कवि सम्मेलन के माध्यम से गंगा संरक्षण एवं सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया गया।

आयोजन के प्रथम दिवस का शुभारंभ गरिमामय उद्घाटन सत्र से हुआ। प्रथम दिवस चार सत्रों में विभाजित रहा, जिनमें उद्घाटन सत्र के साथ नेपाली चारु विधा पर देवी पंथी के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम, 'मां गंगा एवं सनातन संस्कृति' विषयक विमर्श, शोध-पत्र वाचन हुआ।कार्यक्रम का संचालन दिल्ली की साहित्यकार एवं मंच संचालक मनीषा आवले चौगांवकर तथा मनीष कुमार ने किया।

प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक रहे। अति विशिष्ट अतिथियों में प्रो. शिशिर पाण्डेय, कुलपति, रामभद्राचार्य राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट तथा लोकपाल वर्मा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश शामिल रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मोटिवेशनल स्पीकर स्वामी आशुतोष जी महाराज एवं डॉ. विद्यासागर उपाध्याय, पार्षद, शंकराचार्य परिषद उपस्थित रहे।

द्वितीय दिवस साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों पर केंद्रित रहा। छह सत्रों में विभिन्न विषयों पर बौद्धिक विमर्श, साहित्यिक गतिविधियां, सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि स्वामी आनन्दस्वरूप महाराज, शाम्भवी पीठाधीश्वर,संस्थापक शंकराचार्य परिषद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष काली सेना रहे। अति विशिष्ट अतिथि डॉ.विद्यासागर उपाध्याय तथा आचार्य धर्मेन्द्र तिवारी, पूर्व कुलपति, आरा विश्वविद्यालय रहे।विशिष्ट अतिथियों में शिक्षाविद् प्रकाश काला, रजनीश सिंह, एचओडी शिक्षा विभाग एव उद्योग जगत से अशोक शुक्ला तथा वरिष्ठ भाजपा नेत्री रश्मि चौधरी शामिल रहीं। द्वितीय दिवस के विभिन्न सत्रों का संचालन मनीषा आवले चौगांवकर, दिल्ली, मनीष श्रीवास्तव, डॉ. शिवनाथ सिंह 'शिव', कुं. प्रवल प्रताप सिंह राणा ने किया।

समारोह में आमंत्रित अतिथियों एवं गंगा संरक्षण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को 'गंगा सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया। आयोजन समिति में राष्ट्रीय संयोजक केशव पाण्डेय, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं याज्ञिक आचार्य धीरज द्विवेदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनयपाण्डेय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, राष्ट्रीय समन्वयक एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शिवेश्वर दत्त पाण्डेय सहित अनेक पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजन समिति के सदस्यों और साहित्यकारों के सामूहिकै प्रयासों से दो दिवसीय महोत्सव ने साहित्य एवं संस्कृति को गंगा संरक्षण से जोड़ते हुए जनमानस में स्वच्छ गंगा, स्वच्छ पर्यावरण और सांस्कृतिक चेतना के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

पंचानन पाठक मेमोरियल कॉमेडी थिएटर फेस्टिवल का शानदार आगाज़-हास्य नाटक 'टूइय्या गाँव के लोग' का सफल मंचन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंचानन पाठक मेमोरियल कॉमेडी थिएटर फेस्टिवल के उद्घाटन दिवस पर हास्य नाटक 'टूइय्या गाँव के लोग' का सफल एवं प्रभावशाली मंचन शनिवार, 29 अगस्त की शाम 7 बजे एलटीजी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

लगभग एक महीने की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम रहे इस नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा। हास्य, मनोरंजन और सामाजिक संदेश से भरपूर इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। नाटक का लेखन एवं निर्देशन आलोक शुक्ला ने किया। उन्होंने स्वयं नाटक में 'दूरबीन चाचा' की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। नाटक के संगीत को मधुर और प्रभावशाली बनाने में शिब्बू गाजीपुरी जी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने संगीत देने के साथ-साथ 'बाबा' का सशक्त किरदार भी निभाया ।

एडवोकेट टेकचंद राजपूत ने ढोलक पर प्रभावशाली संगत देने के साथ-साथ नाटक की पूरी मंच सज्जा की जिम्मेदारी संभाली और 'कमजोर सिंह' के किरदार को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

निरुपमा बढ़ेरा जी ने 'टुनकी चाची' के किरदार में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को खूब प्रभावित किया। वहीं मुख्य भूमिका निभा रहीं कविता ने अभिनय के साथ-साथ वस्त्र सज्जा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें निरुपमा बढ़ेरा जी और नीतू शुक्ला जी का विशेष सहयोग रहा।

नाटक के दूसरे प्रमुख कलाकारों में संजय सिंह ने 'पहलवान सिंह', मृदुल कुमार ने 'पीएम चायवाला', विनय शर्मा ने 'शराबी' और 'बैल', योगेश शर्मा ने, इंस्पेक्टर के रोल में जीतेन्द्र सिंह ने , 'लालू साइकिलवाले', निखिल कुमार ने 'लोटा' और स्पॉट बॉय तथा अभिमन्यु चौधरी ने 'पुड्डु' के किरदारों को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया।

इसके साथ सीरियल डायरेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका में वागीश शर्मा जी और अतिरिक्त छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में डॉली सिंह और प्रताप सिंह जी ने भी अपने अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। नाटक की प्रकाश सज्जा की जिम्मेदारी लकी मल्होत्रा और तुषार चमोला ने ध्वनि संचालन को संभाला।

यह प्रस्तुति प्रसिद्ध रंगमंचीय संस्था 'प्रासंगिक' की थी। प्रस्तुति को सफल बनाने में प्रताप सिंह जी और निरूपमा बढ़ेरा जी ने प्रस्तुति सहायक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

असम में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई में 300 लोगों को पकड़ा गया

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम में पुलिस ने धोखाधड़ी वाले कॉल, मैसेज और वित्तीय घोटालों के जरिए लोगों को ठगने में शामिल संदिग्ध धोखेबाजों, दलालों और जालसाजों के खिलाफ पूरे राज्य में एक साथ कार्रवाई शुरू की है, जिसके तहत कम से कम 300 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य भर के पुलिस स्टेशनों में धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों और मामलों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के निर्देश पर 29 जिलों में यह ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस टीमों ने कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की और पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और संदिग्धों की जांच-पड़ताल और धोखाधड़ी की गतिविधियों में उनकी कथित भूमिका की पुष्टि के बाद अन्य गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लखीमपुर जिले में सबसे ज्यादा 15 लोगों को हिरासत में लिया गया, इसके बाद नगरबेरा में 13 लोगों को हिरासत में लिया गया।

'आठों छात्रों ने संस्थान को बिना बताए यात्रा की थी', केरल हादसे में कॉलेज का बयान

विश्व केसरी■

त्रिशूर। तमिलनाडु के डिंडीगुल के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की त्रिशूर के कैपामंगलम में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। संस्थान ने शनिवार को बताया कि उन्होंने कॉलेज अधिकारियों को बिना बताए यात्रा की थी। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 66 की सुरक्षा और उस पर भारी वाहनों की पार्किंग को लेकर सवाल उठाए। कॉलेज अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दुर्घटना और छात्रों की मौत की जानकारी केरल पुलिस द्वारा शनिवार तड़के संपर्क किए जाने के बाद ही मिली। चूंकि संस्थान में छुट्टी थी, इसलिए माना जा रहा है कि छात्रों ने निजी तौर पर यात्रा का आयोजन किया था। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से एक छात्र, संतोष, कॉलेज के छात्रावास में रहता था, लेकिन यात्रा में शामिल होने से पहले वह घर चला गया था। कॉलेज के प्रतिनिधि और पीड़ितों के रिश्तेदार त्रिशूर के लिए रवाना हो चुके हैं। कॉलेज अधिकारियों ने बताया कि काइफा मंगलम में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर आधी रात के आसपास हुई दुर्घटना में आठ युवकों की मौत हो गई। ये हादसा तब हुआ जब उनकी कार एक खड़े ट्रक से टकरा गई।

एनआईए ने गाजियाबाद जासूसी मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनएआईए) ने गाजियाबाद जासूसी मामले में लखनऊ की स्पेशल एनआईए कोर्ट में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जार्जशीट में प्रवीण, राज वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि, ऋतिक गंगवार, समीर उर्फ शूटर, दुर्गेश निषाद, नौशाद, गगन कुमार, विवेक, शिवराज, मीरा ठाकुर और शेन इरम उर्फ महक का नाम शामिल है।

यह कार्रवाई एनआईए ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 61(2) और 152, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट की धारा 3 और 5, और यूए (पी) एक्ट की धारा 13, 17 और 18 के तहत की है। इस मामले में 5 नाबालिगों के खिलाफ विस्तृत जांच रिपोर्ट (डीआईआर) पहले ही 18 मई 2026 को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) गाजियाबाद के समक्ष जमा की जा चुकी है।

यह मामला कमिश्नरेट गाजियाबाद के कौशांबी पुलिस स्टेशन में 14 मार्च 2026 को दर्ज हुआ था। अब तक इस मामले में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच से यह साबित हुआ है कि आरोपियों ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ गैर-कानूनी काम और गंभीर अपराध करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। यह भी साबित हुआ है कि आह्वरोपियों ने गैर-कानूनी तरीके से बहुत जरूरी और संवेदनशील प्रतिबंधित इलाकों में घुसपैठ की। उन्होंने वहां जासूसी कैमरे लगाए और दुश्मन देश में मौजूद संस्थाओं को संवेदनशील जानकारी भेजीं।

न्यू फरक्का लाइन पर भूस्खलन से क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक का मरम्मत कार्य पूरा, परीक्षण शुरू

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नई फरक्का लाइन पर क्षतिग्रस्त रेलवे पटरियों की मरम्मत का काम शनिवार सुबह पूरा हो गया, जिसके तुरंत बाद परीक्षण शुरू हो गए। यह जानकारी रेलवे अधिकारियों ने दी। न्यू फरक्का लाइन की रेल पटरियों पर भूस्खलन होने के बाद पिछले कुछ दिनों में दक्षिण बंगाल को उत्तर बंगाल से जोड़ने वाली ट्रेन सेवाएं बुरी तरह से बाधित हो गईं।

हालांकि गुरुवार को आपातकालीन आधार पर मरम्मत कार्य शुरू किया गया था, लेकिन, क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण काम में बाधा आई, क्योंकि मरम्मत स्थल की मिट्टी अस्थिर और जलमग्न बनी रही। शुक्रवार रात बारिश रुकने के बाद मौसम में सुधार हुआ, जिससे मरम्मत कार्य में तेजी आई। मरम्मत का काम पूरा हो जाने और परीक्षण रन शुरू हो जाने के साथ रेलवे अधिकारियों को उम्मीद है कि शनिवार शाम तक इस मार्ग पर सामान्य ट्रेन संचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

इस घटनाक्रम से न केवल रेलवे अधिकारियों को बल्कि उन यात्रियों को भी राहत मिली, जिनकी दक्षिण बंगाल से उत्तर बंगाल और इसके विपरीत यात्रा पिछले कुछ दिनों में बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं। कुछ ट्रेनों के रूट भी बदल दिए गए। रेलवे अधिकारियों ने शनिवार सुबह स्पष्ट किया कि सामान्य रेल सेवाएं तभी बहाल की जाएंगी, जब मरम्मत का काम पूरी तरह से पूरा हो जाएगा।

केंद्रीय फंड का हवाला देने पर भाजपा ने सीएम शिवकुमार पर उठाए सवाल, कहा- कर्ज माफी को केंद्र के फंड से जोड़ना भ्रामक

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक में किसान कर्ज माफी को लेकर सियासत तेज हो गई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोका ने शनिवार को मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की आलोचना की। आर. अशोका ने आरोप लगाया कि सीएम शिवकुमार किसानों के कर्ज माफी की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर डाल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार खुद पहल कर किसानों का कर्ज माफ करे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आर. अशोका ने सवाल उठाया कि जब किसान कर्ज माफी मांग रहे हैं तो केंद्र की तरफ उंगली उठाना कैसा शासन है।

उन्होंने कहा, 'पहले राज्य सरकारों ने, जिनमें कर्नाटक में आपकी अपनी पार्टी की सरकारें भी शामिल हैं, जरूरत पड़ने पर किसानों का कर्ज माफ किया था और उनकी मदद की थी। लेकिन आज जिम्मेदारी से बचने के लिए केंद्र की ओर इशारा करना शर्मनाक है। आर. अशोका ने सरकार को उसके 2023 विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में किए गए वादों को लेकर भी घेरा। उन्होंने पूछा कि वादे के अनुसार 1.50 लाख करोड़ रुपए के 'कृषि सर्वोदय निधि' और 5,000 करोड़ रुपए के स्थायी प्राकृतिक आपदा कोष का क्या हुआ। उन्होंने कांग्रेस के उस वादे पर भी सवाल उठाया जिसमें 3 लाख से 10 लाख रुपए तक के ब्याज मुक्त कृषि ऋण देने की बात कही गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया, ट्रैफिक पर असर पड़ा और पूरी राजधानी में आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के पास पानी जमा हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। दुकानदारों में भी चिंता बढ़ गई क्योंकि बारिश का पानी आस-पास की कई दुकानों में घुसने लगा था।

ग्रेटर नोएडा और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जबकि दिल्ली के कई इलाकों में भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई। मंडी हाउस के पास गोल चक्कर पर जलभराव की खबर मिली, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई और ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई।

तुगलकाबाद गांव की मुख्य सड़क पर भी ऐसे ही हालात दिखे, जहां जमा बारिश के पानी की वजह से गाड़ियों की आवाजाही में रुकावट आई। राजधानी के कई अन्य हिस्सों में भी दिन भर जोरदार बारिश होती रही।

शुक्रवार को दिल्ली में हुई भारी बारिश के एक दिन बाद फिर से बारिश हुई। इस बारिश ने शहर भर में जन्माष्टमी के जश्न में खलल डाला और कई श्रद्धालुओं को अचानक हुई बारिश से परेशानी का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश: राहत बचाव दलों ने बाढ़ में फंसे लगभग 3000 लोगों को सुरक्षित निकाला

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़े हिस्से में बारिश का दौर जारी है और नदी नाले भी उफान पर हैं। बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी हुआ है, मगर राहत और बचाव दलों ने मुसीबत में घिरे 3000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है।

सीएम मोहन यादव ने भोपाल स्थित होमगार्ड कार्यालय के एसडीआरएफ स्टेट कमांड सेंटर पहुंचकर प्रदेश में अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न जिलों में बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों, प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रशासन की तैयारियों की जानकारी ली।

उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन और संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात टीमों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करे तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत एवं बचाव पहुंचाया जाए। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में कमोवेश पूरे क्षेत्र में बारिश का दौर बना हुआ है। पश्चिम मध्य प्रदेश को छोड़कर अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में ढेर आतंकी की पहचान एलईटी दहशतगर्द के तौर पर हुई

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को संयुक्त बलों के 'ऑपरेशन अशदार' में मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तानी नागरिक और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य के तौर पर की गई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को बताया कि बडगाम में 'ऑपरेशन अशदार' के दौरान मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के रहने वाले यासिर के तौर पर हुई है। सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में मारे गए आतंकवादी की पहचान की पुष्टि करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आप भाग तो सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते। यह पहचान उस घटना के एक दिन बाद हुई है, जब सुरक्षा बलों ने बडगाम के अशदार गली इलाके में एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया था। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मारे गए आतंकवादी के पास से एके-सीरीज की राइफल और युद्ध में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान भी बरामद किया गया।

यह ऑपरेशन गुरुवार को तब शुरू हुआ जब पैरा-कमांडो की एक पेट्रोलिंग टीम की आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई। उन्हें वहां आतंकवादियों के एक ग्रुप की मौजूदगी के बारे में खास खुफिया जानकारी मिली थी।

राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी इस ऑपरेशन में शामिल हुए और यह पक्का किया कि घने जंगल वाले इलाके में अंधेरा होने के बावजूद छिपा हुआ आतंकवादी भाग न पाए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद शुरू होने के बाद से पिछले 36 से ज्यादा वर्षों में बडगाम जिले में कई एनकाउंटर हुए हैं। सबसे लंबा ऑपरेशन 1995 में भारतीय सेना ने चलाया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....35048..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35048
वार्ड का नाम 38 -स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715G00151 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती UJBELANAND पिता / पति श्री/श्रीमती LATE SUNDAR ATMANAND के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SURESH NAND पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LT. SUNDAR ATMA NAND ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे / निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35102..../ न. पा. नि. /
जोन क्र 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35102
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR662K00015 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KAMLA BAI पिता / पति LT. RAM JI AGRWAL श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्री आदित्य अग्रवाल, 02. श्री ध्रुव कुमार अग्रवाल, 03. श्रीमति सरोज अग्रवाल पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पिता ध्रुव कुमार अग्रवाल, 02. पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल, 03. पति ध्रुव कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

एआई के युग में शिक्षक बनें मार्गदर्शक विद्यार्थियों को दें सही दिशा : राज्यपाल डेका

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस पर लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया।

समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 के लिए सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रदेश के 63 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्य शिक्षक सम्मान वर्ष 2026-27 के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की भी घोषणा की।

राज्य शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल डेका ने कहा कि आज शिक्षा की दुनिया तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस दौर में शिक्षकों और विद्यार्थियों को नई तकनीकों से परिचित होना जरूरी है, लेकिन तकनीक का उपयोग विवेक, जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि AI हमारा सहायक बने, हमारा नियंत्रक नहीं। विद्यार्थियों को यह समझाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग ज्ञान और विकास के लिए करें, न कि उसके गुलाम बनें।

राज्यपाल ने कहा कि आज हम गूगल के युग में हैं और कई बार जानकारी प्राप्त करने के लिए हम पूरी तरह तकनीक पर निर्भर हो जाते हैं। इसका असर हमारे स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक विकास पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में भी विद्यार्थियों के स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के उपयोग को नियंत्रित करने पर विचार किया जा रहा है। तकनीक निश्चित रूप से हमारे लिए उपयोगी है, लेकिन उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना होगा। तकनीक हमें जानकारी दे सकती है, लेकिन संस्कार, संवेदना, अनुशासन और प्रेरणा गुरु से ही मिलती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक नोबल प्रोफेशन है। शिक्षक अपने आचरण से विद्यार्थियों को प्रेरित करते हैं और नई पीढ़ी के आदर्श होते हैं। इसलिए शिक्षकों को शिक्षा की गरिमा बनाए रखते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करना चाहिए। विद्यार्थी कैसे आगे बढ़ें और उनका भविष्य कैसे बेहतर बने, इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएं।

डेका ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह विद्यार्थी के व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने शासकीय सेवा में स्थानांतरण को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया बताते हुए कहा कि इस व्यवस्था को सहजता से स्वीकार करते हुए जहां भी दायित्व मिले, वहां पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए।

समय से पहले महामाया धान में आई बालियां 110 दिन में फसल देखकर किसान उत्साहित

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा जिले में इस बार अल्प और खंड वर्षा के बीच किसानों का रुझान शीघ्र पकने वाली और हाइब्रिड धान किस्मों की ओर बढ़ा है। इसका असर खेतों में अब दिखाई देने लगा है। सिंघोरी खार में 15 जून को रोपाई की गई महामाया धान की फसल में 110 दिन बाद समय से पहले बालियां आ गई हैं। खेत में धान की बालियां निकलते देखकर किसान उत्साहित हैं। किसानों का कहना है कि मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए ऐसी धान किस्मों की खेती उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, जो अपेक्षाकृत कम समय में तैयार हो जाती हैं।

सिंघोरी के कृषक रमन काबरा ने बताया कि उन्होंने सिंघोरी खार में करीब 35 एकड़ में महामाया धान की फसल लगाई है। 15 जून को इसकी रोपाई की गई थी। अब फसल में बालियां निकलने लगी हैं। उन्होंने बताया कि इस बार हाईब्रिड और उन्नत किस्म के बीज का उपयोग किया गया है। रोपाई के बाद करीब 45 दिन की फसल में पौधों की ग्रोथ अच्छी रही और अब बालियां आने से उत्पादन को लेकर उम्मीद बढ़ी है।

बारिश की अनिश्चितता के कारण शीघ्र पकने वाली किस्मों पर जोर

जिले में बीते दो साल से बारिश का स्वरूप असमान रहा है। कहीं अच्छी बारिश हुई तो कहीं किसानों को खंड वर्षा का सामना करना पड़ा। ऐसे में किसान ऐसी धान किस्मों का चयन कर रहे हैं, जिनकी फसल अपेक्षाकृत जल्दी तैयार हो सके। किसानों का मानना है कि शीघ्र पकने वाली फसल लेने से मौसम की मार से बचने और समय पर फसल की कटाई करने में मदद मिल सकती है।

कृषक रमन काबरा ने बताया कि मौसम को देखते हुए इस बार किसानों में हाईब्रिड और शीघ्र पकने वाली धान किस्मों को लेकर रुचि बढ़ी है। उन्नत किस्म के बीजों के उपयोग से फसल की स्थिति अच्छी है। महामाया धान में समय से बालियां आने के बाद किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद है।

जिले में 35% किसान हाइब्रिड-शीघ्र पकने वाली धान की खेती कर रहे

कृषि विभाग के सहायक उप संचालक डॉ. श्यामलाल साहू ने बताया कि जिले में इस साल करीब 35% किसान हाइब्रिड और शीघ्र पकने वाली धान किस्मों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 110 दिन की फसल में हाइब्रिड बीज के कारण बालियां आना संभव है। नई तकनीक और उन्नत किस्मों के प्रति जिले के किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है।

डॉ. साहू के अनुसार किसान अब केवल परंपरागत धान की किस्मों तक सीमित नहीं हैं। मौसम, उत्पादन क्षमता और फसल अवधि को ध्यान में रखकर किसान नई-नई वैरायटियों का प्रयोग कर रहे हैं। इससे खेती में तकनीकी बदलाव भी दिखाई दे रहा है।

12 वर्षीय हेमराज की मौत पर कांग्रेस ने उठाए स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवाल

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। रावघाट माइंस प्रभावित क्षेत्र के गांव फुलपाड के संजय कुमेटी के सुपुत्र 12 वर्षीय कक्षा सातवी के छात्र स्वर्गीय हेमराज कुमेटी की मौत बीएसपी प्रबंधन के दण्डकवन अस्पताल की लापरवाही से 28 अगस्त रक्षाबंधन के दिन हो गई थी जिसे जिला कांग्रेस अध्यक्ष बसंत यादव अंतागढ विधायक प्रत्याशी रूपसिंह पोटाई, कोयलीबेडा वरिष्ठ कांग्रेसी रत्तीराम दुग्गा, कोयलीबेडा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल दर्रो, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सरवन यादव, ताडोकी क्षेत्र कांग्रेस कार्यकर्ता सामसाय उसेडी श्यामलाल दर्रो आदि ने दुखी पीड़ित परिवार को ढांढस बधांते हुए मृतक छात्र को श्रद्धांजली दी और पीड़ित परिवार के लिए हर संभव मदद करने एवं रावघाट बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ कांग्रेस बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा ,रोजगार ,सड़क ,बिजली,के लिए मुखर होकर लड़ाई लड़ने की बात कही और क्षेत्र के लोगो की वाजिब मांगो को रावघाट क्षेत्र वासियो के साथ मिलकर पूरा करवाने का वादा किया ।पीड़ित परिवार से मिलने के दौरान फुलपाड के पूर्व सरपंच व कांग्रेस कार्यकर्ता सुनील नुरूटी भी अन्य लोगो के साथ उपस्थित थे ।

शिक्षक दिवस पर एकलव्य विद्यालय में साइबर जागरूकता अभियान

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। शिक्षक दिवस के अवसर पर थाना अंतागढ़ क्षेत्र के ग्राम लामकन्हार स्थित एकलव्य विद्यालय में साइबर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष बंछोड़ एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी संतोष कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समझाया कि वर्तमान समय में इंटरनेट, मोबाइल बैंकिंग, सोशल मीडिया एवं विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध के मामले भी सामने आ रहे हैं। साइबर ठगों द्वारा लोगों को फोन कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, बैंक खाते को बंद करने की धमकी, ऑनलाइन इनाम, नौकरी एवं अन्य प्रलोभनों के माध्यम से ठगी का शिकार बनाया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी अथवा व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा अनजान लिंक, संदिग्ध वेबसाइट और अज्ञात मोबाइल नंबरों से आने वाले संदेशों से सतर्क रहने की अपील की। साथ ही साइबर फ्रॉड होने की स्थिति में तत्काल संबंधित बैंक को सूचना देने तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

शिक्षकों का किया सम्मान- शिक्षक दिवस के अवसर पर पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यालय के शिक्षकों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षकों के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साइबर जागरूकता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करने तथा स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

गौरव पथ पर सफाई के कुछ घंटे बाद फिर कचरे का ढेर

बारिश में बदबू से लोग परेशान

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर पालिका द्वारा रोजाना सफाई और कचरा उठाव किया जा रहा है, लेकिन नागरिकों की लापरवाही के कारण यह व्यवस्था लगातार चुनौती बन रही है। गौरव पथ सहित शहर के कई सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कर्मचारी कचरा उठाकर जाते हैं, लेकिन उनके जाते ही कुछ घरों के लोग दोबारा उसी स्थान पर कचरा डाल देते हैं। इससे कुछ ही देर में वहां फिर कचरे का ढेर नजर आने लगता है। बारिश के मौसम में कचरा सड़ने से बदबू उठ रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों को कचरामुक्त रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की टीम प्रतिदिन शहर के अलग-अलग हिस्सों में सफाई कर कचरा उठाने का काम कर रही है। इसके बावजूद यदि सफाई के बाद उसी जगह पर दोबारा कचरा फेंक दिया जाए तो शहर को स्वच्छ रखना मुश्किल हो जाता है।

प्रतिदिन 8 ट्रॉली से अधिक कचरा निकल रहा

नपा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि शहर से प्रतिदिन करीब 8 ट्रॉली से अधिक कचरा निकल रहा है। नगर पालिका के सफाई कर्मचारी सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और अन्य क्षेत्रों से नियमित रूप से कचरा उठाने का काम कर रहे हैं। उनका दावा है कि सार्वजनिक स्थानों पर पड़े कचरे का लगातार उठाव किया जा रहा है। इसके बावजूद कई स्थानों पर सफाई के कुछ समय बाद ही फिर से कचरा जमा हो जाता है।

उन्होंने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर पालिका अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है। सफाई कर्मचारियों द्वारा निर्धारित रूट के अनुसार कचरा उठाया जा रहा है। लेकिन नागरिकों के सहयोग के बिना स्वच्छता अभियान को पूरी तरह सफल नहीं बनाया जा सकता।

सफाई के बाद फिर वहीं डाल रहे कचरा

गौरव पथ शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है। यहां प्रतिदिन नगर पालिका की सफाई टीम पहुंचकर कचरा उठाती है। कर्मचारियों के जाने के बाद कुछ लोगों द्वारा घरों से निकलने वाला कचरा फिर उसी स्थान पर डाल दिया जाता है। इससे सफाई व्यवस्था पर सवाल उठने के साथ ही शहर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान कचरा गीला होने के बाद उसमें सड़न शुरू हो जाती है। इससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैलती है। लंबे समय तक कचरा पड़े रहने पर मच्छर और अन्य कीट-पतंगों की समस्या भी बढ़ जाती है। लोगों ने नगर पालिका से नियमित कचरा उठाव के साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई की मांग भी की है।

'सफाई सभी की सामूहिक जिम्मेदारी'

नपा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि केवल नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों के भरोसे शहर को स्वच्छ नहीं रखा जा सकता। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सफाई केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक अपने घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखे और घर से निकलने वाले कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डाले।

पदयात्रा में भीड़ जुटाने ग्रामीणों पर 1000 रुपए अर्थदंड का दबाव?

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। कांग्रेस द्वारा स्मार्ट मीटर एवं क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर ताड़ोकी से अंतागढ़ तक निकाली गई पदयात्रा को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा कटाक्ष किया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश उइके ने आरोप लगाया है कि पदयात्रा में ग्रामीणों की भीड़ जुटाने के लिए उन्हें कथित तौर पर दबावपूर्वक शामिल किया गया तथा शामिल नहीं होने पर प्रति घर ?1000 अर्थदंड लेने का दबाव बनाए जाने की जानकारी उन्हें प्राप्त हुई है।

महेश उइके ने इस पूरे मामले को हास्यास्पद और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए कहा कि कांग्रेस को यदि अपनी नीतियों और आंदोलन पर जनता का विश्वास है, तो उसे ग्रामीणों को स्वेच्छा से अपने साथ जोड़ना चाहिए। ग्रामीणों पर किसी प्रकार का दबाव बनाकर भीड़ जुटाना कांग्रेस की कथित जनसमर्थन की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्राप्त जानकारी के अनुसार, ताड़ोकी से अंतागढ़ तक आयोजित पदयात्रा में अधिक से अधिक ग्रामीणों को शामिल करने के लिए कथित रूप से दबाव बनाया गया। भाजपा इस तरह के किसी भी कथित दबाव की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छा के अनुसार किसी राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने अथवा नहीं होने का अधिकार है। भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, 'यदि कांग्रेस की पदयात्रा को जनता का वास्तविक समर्थन प्राप्त था, तो ग्रामीणों को बुलाने के लिए दबाव और कथित अर्थदंड की जरूरत क्यों पड़ी? भीड़ जुटाने के बजाय कांग्रेस को जनता का विश्वास जीतने का प्रयास करना चाहिए। 'उइके ने कहा कि स्मार्ट मीटर, बिजली बिल, लो-वोल्टेज और अन्य क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जनता की वास्तविक समस्याओं पर चर्चा और समाधान की मांग का भाजपा स्वागत करती है, लेकिन राजनीतिक कार्यक्रमों में ग्रामीणों की कथित जबरन भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि ग्रामीणों पर 1000 रुपए अर्थदंड लगाए जाने की कथित जानकारी को लेकर स्थिति स्पष्ट करे।

मोहका के शिक्षक पूर्णानंद मिश्रा द्वारा कक्षा आठवीं के 12 विद्यार्थी को प्रयास चयन परीक्षा गाइड दिया गया

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोहका के शिक्षक पूर्णानंद मिश्रा द्वारा कक्षा आठवीं के ऐसे 12 विद्यार्थी जो कि प्रयास प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें अपने स्वयं के व्यय से प्रयास चयन परीक्षा गाइड बुक प्रदान किया गया। 'विदित हो की मिश्रा द्वारा पिछले वर्ष भी प्रयास परीक्षा की तैयारी कर रहे अपने विद्यालय के 8 प्रतिभागियों को प्रयास गाइड बुक प्रदान किया गया था। जिसमें की दो विद्यार्थियों का चयन प्रयास अवश्य विद्यालय में हुआ। विद्यालय के प्रधान पाठक कौशल्या चौहान, संकुल समन्वयक गजेंद्र गायक, शिक्षक तुलसी पटेल ,सुदामा पटेल, किरण पाइक, प्रभाषिनी बारीक, विनय पात्र, विशिकेशन प्रधान की उपस्थिति में यह गाइड लगातार द्वितीय वर्ष प्रयास प्रतियोगी परीक्षा कके प्रतिभागियों को प्रदान किया गया।

शिक्षक पूर्णानंद मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के माहौल बनाने के लिए पिछले वर्ष उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं का जिला नोडल अधिकारी बनाया गया था। जिसके तहत जिले के बहुत सारे विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा स्व प्रेरित होकर विद्यार्थियों को स्वयं के पैसे से गाइड बुक प्रदान किया गया था। एवं निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग क्लासेस चलाए गए थे। जिसका परिणाम यह हुआ कि 300 से भी ऊपर विद्यार्थियों का प्रयास आवासीय विद्यालय में चयन हुआ एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

इसी का अनुकरण करते हुए इस वर्ष भी शिक्षक पूर्णानंद मिश्रा ने बच्चों को प्रयास आवासीय विद्यालय की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए गाइड बुक प्रदान किया। श्री मिश्रा का मानना है कि शिक्षकों के छोटे-छोटे प्रयास से बच्चों का करियर कैसे बन जाता है कुछ नहीं कहा जा सकता। स्कूल के शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से प्रतिदिन प्रयास के परीक्षा के लिए छोटे-छोटे टिप्स दिए जा रहे हैं ,इसके साथ ही अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा रहा है जिससे विद्यार्थी उत्साहित है। आज गाइड बुक मिलने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे,और बच्चों ने संकल्प लिया कि इस वर्ष प्रतियोगी परीक्षा प्रयास आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा में चयन हेतु वे जी तोड़ मेहनत करेंगे।

आमापाली के विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उच्च प्राथमिक शाला एवं प्राथमिक शाला आमापाली में विद्यार्थियों द्वारा उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विविध गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षकों को कार्यालय से कार्यक्रम स्थल तक ससम्मान आमंत्रित करने से हुई। विद्यार्थियों ने शिक्षकों का तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर एवं आरती उतारकर स्वागत किया तथा उन्हें कार्यक्रम स्थल पर मंचासीन कराया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस की महत्ता, शिक्षक के योगदान एवं गुरु-शिष्य संबंधों पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने बारी-बारी से भाषण प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट की। तत्पश्चात शिक्षकों से गुरु की महत्ता तथा गुरु-शिष्य के बीच विश्वास, स्नेह एवं संस्कार के संबंधों पर अपने विचार साझा करने का आग्रह किया गया। शिक्षकों ने कहा कि गुरु और शिष्य के बीच विश्वास, स्नेह और संस्कार का रिश्ता सदैव महत्वपूर्ण रहता है। हम सब मिलकर ऐसा छत्तीसगढ़ बनाएंगे, जहां हर स्कूल सपनों का द्वार और हर कक्षा संभावनाओं का संसार हो। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में प्रधान पाठक भावेश कुमार साव, शिक्षक छबिमन्यु सढ़ंगी, अखिलेश कुमार साहू, जगमोहन साहू, टेकलाल जगत एवं शिक्षिका दुतिया साहू उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने स्वप्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में भाषण, नृत्य सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। शिक्षकों के लिए चिट्ठी के माध्यम से मनोरंजक गतिविधियां कराई गईं तथा खेल प्रतियोगिताओं में शिक्षकों को शामिल कर कार्यक्रम को और अधिक रोचक एवं आनंदमय बनाया गया।

कहानी

संदीप पांडे शिष्य

आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय की ग्यारहवीं कक्षा का नया सत्र शुरू हुए अभी कुछ ही दिन हुए थे। और गलियारों में नई किताबों की महक, नई वर्दियों की चमक और नए सपनों की हलचल दिखाई दे रही थी। हर कक्षा में परिचय, हँसी-ठिठोली और भविष्य की योजनाओं की बातें चल रही थीं। ग्यारहवीं 'अ' की कक्षा की अध्यापिका मालिनी भी बच्चों के साथ उतनी ही सहज थीं, जितने बच्चे उनके साथ। वह केवल हिंदी नहीं पढ़ाती थीं, बल्कि बच्चों के मन की भाषा भी समझती थीं। यही कारण था कि उनकी कक्षा में अनुशासन डर से नहीं, अपनत्व से बना रहता था।

उसी दिन एक नई छात्रा का प्रवेश हुआ। नाम था सुगंधा।

मालिनी ने मुस्कराते हुए उसका स्वागत किया। पूरी कक्षा से उसका परिचय कराया और बच्चों से कहा, 'आज से यह भी हमारी कक्षा का हिस्सा है। मुझे विश्वास है कि तुम सब इसे अपने परिवार की तरह अपनाओगे।'

बच्चों ने तालियाँ बजाकर उसका स्वागत किया, पर सुगंधा के चेहरे पर कोई भाव नहीं उभरा। उसने बस हल्का-सा सिर झुकाया और अंतिम बेंच पर जाकर बैठ गई। उसकी आँखों में एक अजीब-सी उदासी थी, जैसे भीतर कोई ऐसा तूफ़ान चल रहा हो जिसे शब्दों में बाँधा ही न जा सके।

दिन बीतने लगे।

जहाँ पूरी कक्षा हँसती, खेलती और चर्चा करती, वहीं सुगंधा चुपचाप अपनी किताबों में खोई रहती। कोई उससे बात करने की कोशिश करता तो वह दो-चार शब्दों में उत्तर देकर फिर अपने खोल में सिमट जाती। धीरे-धीरे बच्चों ने भी उससे बात करना कम कर दिया। उन्हें लगा कि शायद उसे किसी से दोस्ती करना पसंद ही नहीं। लेकिन मालिनी की दृष्टि केवल व्यवहार पर नहीं, उसके पीछे छिपे कारणों पर भी रहती थी।

उन्होंने कई दिनों तक सुगंधा को ध्यान से देखा। उन्हें अनुभव हो गया कि यह रूखापन स्वभाव नहीं, किसी गहरे मानसिक आघात की परछाई है। उन्होंने कई बार सहज बातचीत करने की कोशिश की, कभी पढ़ाई के बहाने, कभी पुस्तक की चर्चा से, कभी कविता के माध्यम से। पर हर बार सुगंधा मुस्कराने की कोशिश करती और फिर चुप हो जाती।

एक दिन हिंदी की कक्षा में मालिनी ने बच्चों को विषय दिया। 'माँ की ममता'।

उन्होंने कहा, 'निबंध केवल शब्दों का संग्रह नहीं होता। उसमें अपने मन की सच्चाई भी लिखिए।'

अगले दिन लगभग सभी विद्यार्थी दो-दो पन्नों के सुंदर निबंध लिखकर लाए। किसी ने माँ के त्याग का वर्णन किया, किसी ने उनकी ममता का, किसी ने उनकी डाँट में छिपे प्रेम का।

मालिनी कॉपियाँ जाँच रही थीं। अचानक उनकी दृष्टि सुगंधा की कॉपी पर ठहर गई।

पूरे पृष्ठ पर केवल एक ही पंक्ति लिखी थी।

'माँ की ममता केवल एक वहम है।'

यह पढ़कर मालिनी का मन जैसे भीतर तक काँप उठा।

अवकाश के समय उन्होंने सुगंधा को स्टाफ रूम में बुलाया। वहाँ उस समय कोई और नहीं था। उन्होंने उसके सामने पानी का गिलास रखा और बहुत धीमे स्वर में पूछा।

'बेटी... क्या तुम्हारी माँ तुम्हें प्यार नहीं करती?'

अनुभूति

बस इतना सुनना था कि वर्षों से रोके हुए आँसुओं का बाँध टूट गया।

सुगंधा फूट-फूटकर रोने लगी।

कुछ देर बाद उसने स्वयं को संभाला और रुँधे गले से बोली।

'मेरी असली माँ तो मेरे जन्म के एक साल बाद ही चली गई थीं। पिताजी ने दूसरी शादी कर ली। बचपन से ही सौतेली माँ मुझे बोझ समझती हैं। उनके लिए मेरा छोटा भाई ही सब कुछ है। उसे ज़रा-सी चोट लग जाए तो पूरा घर परेशान हो जाता है, लेकिन मैं बीमार पड़ जाऊँ तो किसी को फर्क नहीं पड़ता।'

उसकी आवाज़ काँप रही थी।

'घर का सारा काम मुझसे करवाया जाता है। छोटी-सी गलती पर डाँट, ताने और अपमान मिलता है। पिताजी अधिकतर बाहर रहते हैं। माँ उनके कान भर देती हैं, इसलिए वे भी मुझे ही दोषी समझते हैं। मैं उसी घर में रहती हूँ, लेकिन कई बार लगता है जैसे मैं किसी अनाथालय में हूँ।'

सुगंधा की आँखों से आँसू लगातार बह रहे थे।

मालिनी ने बिना कुछ कहे उसके सिर पर हाथ फेरा। फिर उसे अपने पास बैठाकर बोलीं।

'बेटी, तुम्हारे साथ जो हुआ, वह बहुत दुखद है। किसी भी बच्चे को ऐसा जीवन नहीं मिलना चाहिए। लेकिन एक बात याद रखना।दूसरों की कठोरता को अपने स्वभाव का हिस्सा मत बनने देना।'

सुगंधा चुपचाप सुनती रही।

मालिनी ने आगे कहा।

'प्रेम में बड़ी अद्भुत शक्ति होती है। वह सबसे गहरे घावों पर भी मरहम रख देता है। हो सकता है तुम्हें घर में वह स्नेह न मिला हो जिसकी तुम अधिकारी थीं, लेकिन संसार वहीं समाप्त नहीं हो जाता। मित्र, शिक्षक और अच्छे लोग भी जीवन में अपने बनते हैं। यदि तुम सबसे कटकर रहोगी तो अपने हिस्से की खुशियाँ भी खो दोगी।'

कुछ क्षण रुककर उन्होंने मुस्कराते हुए कहा।

'और एक बात... जिस अपनत्व की अपेक्षा तुम अपने माता-पिता से करती हो, क्या कभी तुमने उन्हें अपने मन का प्रेम दिखाने की कोशिश की है? कभी-कभी शिकायतों की दीवार इतनी ऊँची हो जाती है कि उसके दोनों ओर खड़े लोग एक-दूसरे को देख ही नहीं पाते। कोई तो पहला पत्थर हटाएगा।'

ये शब्द सुगंधा के मन की गहराइयों में उतर गए।

वह सोचने लगी।सचमुच, उसने अपने चारों ओर शिकायतों का ऐसा किला बना लिया था कि किसी को अपने पास आने ही नहीं दिया। वह हर व्यक्ति को पहले से ही दोषी मान बैठी थी।

उस दिन जब वह स्टाफ रूम से निकली तो उसके चेहरे पर वर्षों बाद हल्की-सी मुस्कान थी। कक्षा की ओर जाते समय उसे लगा जैसे मन का कोई भारी पत्थर हट गया हो।

परिवर्तन धीरे-धीरे शुरू हुआ।

अब वह सहपाठियों के अभिवादन का उत्तर मुस्कराकर देने लगी। समूह-चर्चाओं में भाग लेने लगी। कुछ ही दिनों में उसकी चार-पाँच अच्छी सहेलियाँ बन गईं। उनके साथ हँसते हुए वह पहली बार स्वयं को सामान्य किशोरी की तरह महसूस करने लगी।

मालिनी मैडम से भी उसका रिश्ता केवल शिक्षक और छात्रा का नहीं रहा। जब भी मन भारी होता, वह उनके पास चली जाती। कभी कविता सुनाती, कभी अपनी उलझनें बाँटती, तो कभी चुपचाप बैठ जाती। मालिनी जानती थीं कि कई बार मौन भी सबसे बड़ी सांत्वना होता है।

लगभग एक महीने बाद सुगंधा प्रसन्न चेहरे के साथ उनके पास आई।

'मैडम,' उसने उत्साहित होकर कहा, 'घर में कुछ बदल रहा है।

'कैसे?' मालिनी ने पूछा।

'अब मैं माँ से पहले की तरह रूखेपन से बात नहीं करती। उनके काम में बिना कहे हाथ बँटाती हूँ। छोटे भाई के साथ भी प्यार से रहती हूँ। पहले तो माँ को विश्वास ही नहीं हुआ, लेकिन अब वे मुझसे थोड़ा नरम व्यवहार करने लगी हैं। कल उन्होंने पहली बार मेरे लिए मेरी पसंद की खीर बनाई... और जाते समय मेरे सिर पर हाथ भी फेरा।'

कहते-कहते उसकी आँखें फिर भर आईं, पर इस बार वे आँसू पीड़ा के नहीं, उम्मीद के थे।

लघुकथा — पेट का सवाल

सतीश राठी

'क्यों बे! बाप का माल समझकर मिला रहा है क्या?' गिट्टी में डामर मिलाने वाले लड़के के गाल पर थप्पड़ मारते हुए ठेकेदार चीखा।

'कम डामर से बैठक नहीं बन रही थी ठेकेदार जी। सड़क अच्छी बने यही सोचकर डामर की मात्रा ठीक रखी थी।' मिमियाते हुए लड़का बोला।

'मेरे काम में बेटा तू नया आया है। इतना डामर डाल कर तूने तो मेरी ठेकेदारी बंद करवा देनी है।' फिर समझाते हुए बोला,' यह जो डामर है इसमें से बाबू ,इंजीनियर, अधिकारी, मंत्री सबके हिस्से निकलते हैं बेटा। खराब सड़क के दचके तो मेरे को भी लगते हैं । चल! इसमें गिट्टी का चूरा और डाल।' मन ही मन लागत का समीकरण बिठाते हुए ठेकेदार बोला।

लड़का बुझे मन से ठेकेदार का कहा करने लगा। उसका उतरा हुआ चेहरा देखकर ठेकेदार बोला,' बेटा,सबके पेट लगे हैं। अच्छी सड़क बना दी और छह माह में गड्ढे नहीं हुए तो, इंजीनियर साहब अगला ठेका किसी दूसरे ठेकेदार को दे देंगे ।इन गड्ढों से ही तो सबके पेट भरते हैं बेटा।

(राठीजी का 1 सितंबर को स्वर्गवास हो गया. विश्वकेसरी का नमन)

गीत — जलना सीखो तुम

मोनिका डागा 'आनंद'

अंधियारे में बन प्रकाश अब,
जगमग जलना सीखो तुम,
टूट गई उम्मीद अगर तो,
हँसकर चुनना सीखो तुम।

जीवन के संघर्षों से तुम क्यों बैठे इतने उदास,
हार गए मन से तो फिर कैसे होगा तेरा विकास.
तूफ़ानों से डरकर क्यों, बैठ गए होकर निराश,
नाव तुम्हारी पार लगे, मन में हो आत्मिक प्रकाश.
दुर्दिन के मौसम में भी हिम्मत से बढ़ना सीखो तुम.

हार को दें क्यों महत्त्व कि लुट जाए मन का हुलास,
अँधकार में लुप्त हर्ष बदला खुशियों का विन्यास.
सपनों को टूटे देखा तो हुआ निराशा का फिर वास,
इक तारे के बस टूटन पर,खोई तुमने क्यों मिठास.
लक्ष्य मिलेगा किंतु भरोसा खुद पे करना सीखो तुम.

भरा सितारों से गगन बढ़ा कदम बदलो इतिहास,
दुनिया चाहे कुछ बोले, मत डिगना तू चल बिंदास.
ऐसे ही कुछ लोग हार की,मिटा सके हरदम खटास,
हुनरवान तू ढहा दीवारें, मिटा मन का हर संत्रास,
कर्म करो, हर कार्य को, संभव करना सीखो तुम.

अँधियारे में बन प्रकाश बन,
जगमग जलना सीखो तुम ।

- चेनई

लघुकथा — ऋण...

नंदन पंडित

'लो, यजमान! सारा कर्मकांड सम्पन्न हुआ।' पोथी को लाल कपड़े में लपेटते हुए, पुरोहित ने चालीस वर्षीय श्यामलाल से कहा।

श्यामलाल श्वेत रंग की धोती, आधी कमर में लपेटे और आधी कंधे पर ओढ़े हुए था। धोती का छोर सम्हालते हुए वह उठा।

'अरे! रे! पहले पवित्री (पैंती) तो उतार दो।' पुरोहित ने इस बार अपना स्वर ऊँचा करके कहा।

श्यामलाल अपना मुंडा सिर खुजलाने लगा था। आवाज सुनकर एकदम से चौंक गया वह और एक सहमे हुए अपराधी की भाँति तुरंत पवित्री निकाल कर पुरोहित को दे दिया।

'खड़े क्या हो? पंडितजी की विदाई करो।' पीपल के नीचे सम्पन्न हो रहे समस्त कर्मकांड पर दूर से ही दृष्टि गड़ाए हुए एक पीढ़ी दूर के, सगोत्रीय काका ने मुँह का तम्बाकू थूककर कहा।

श्यामलाल ने धोती की खूँट से दो सौ का एक मुड़ा हुआ नोट निकालकर पुरोहित की ओर बढ़ा दिया।

'यह, क्या?' काका चिल्लाए।

वह अदंक उठा। घबराहट में नोट हाथ से छूट गया। उसकी विस्मित तथा प्रश्नाचक आँखों ने काका की ओर देखा, 'कितना?'

'कितना क्या? पचास किलो सीधा (अनाज) और पाँच हजार इक्यावन रुपए!..क्यों पंडितजी?' काका ने अपना उदार हृदय खोलकर कहा और अपने मत की पुष्टि पुरोहित से भी करा लेना उचित समझा।

पुस्तक समीक्षा

'कोहरा' : एक चेतावनी

राजेश ओझा

करुणा सागर पण्डा कृत 'कोहरा' केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि समकालीन समाज में व्याप्त एक गहरे सामाजिक भ्रम पर लिखी गई चेतावनी है। लेखक ने इसके प्राक्कथन में ही स्पष्ट किया है कि यह कृति घृणा के लिए नहीं, बल्कि बेटियों को एक नियोजित छल के पैटर्न से बचाने के लिए लिखी गई है। उपन्यास की सबसे बड़ी शक्ति इसकी कथा-संरचना है। कहानी की शुरुआत कोरोना काल के नांदगांव से होती है,जहाँ बड़े बाबू मुरली मनोहर दुबे का चरित्र चित्रण बहुत खूबसूरती से दो पंक्तियों में करुणा सागर पण्डा करते हैं- 'संसार में एक भोला व्यक्ति हमेशा से ही मूर्ख समझा जाता रहा है,लेकिन भोले होने का अर्थ मूर्ख होना नहीं होता...मोहन बाबू व्यवहार से सरल हैं इसलिये भोले हैं लेकिन वे मूर्ख तो कत्तई नहीं हैं।'

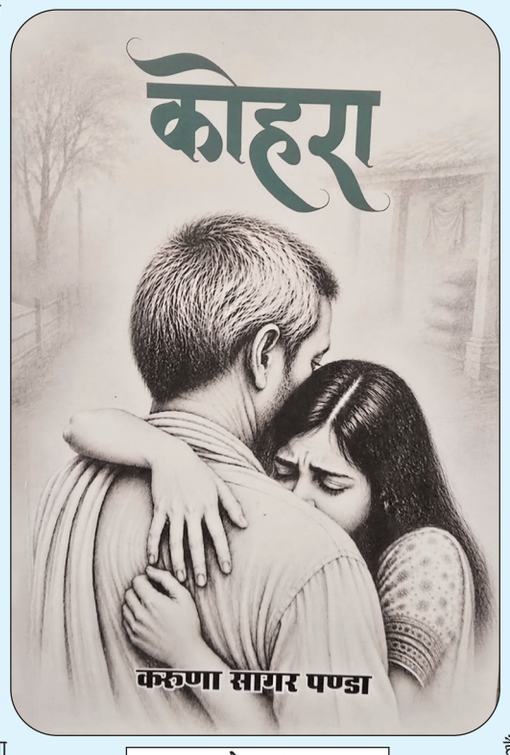

पुस्तक- कोहरा (उपन्यास)
लेखक- करुणा सागर पण्डा
प्रकाशन- सनातन लाईफस्टाइल फाऊंडेशन, दिल्ली
संस्करण-2026
मूल्य- 245 रुपये

लव जिहाद की शिकार बड़े बाबू मुरली मनोहर दुबे की बेटी सुजाता आईसीयू में जीवन-मृत्यु से जूझ रही है। इसी वर्तमान के तनाव से लेखक फ्लैशबैक में पाठक को 1997 में ले जाता है। मुरली मनोहर दुबे की पहली पत्नी सत्या की मृत्यु और बेटी सुजाता के जन्म से शुरू हुई यह कथा मोहन बाबू के दूसरी पत्नी कमला के आगमन और सुजाता-सुदर्शन के बाल्यकाल के मनोरम चित्रण तक बहुत ही आत्मीयता से आगे बढ़ती है। जब कमला कहती है- 'सुजाता की नसों में मेरी ही ममता का खून दौड़ रहा है। वह सौतेली नहीं है।' तब पाठक भावुक होने से स्वयं को नहीं रोक पाता। लेखक आगे के पृष्ठों में इसे और स्पष्ट करता है- 'रिश्ते खून के हों या न हों,पर जब ममता हाथ थामती है,तो कहाँ कोई भी बच्चा अनाथ रहता है।' साहित्यकार का मूल धर्म सिर्फ विसंगति प्रस्तुत करना नहीं होता, साथ-साथ उसका हल भी प्रस्तुत करना होता है, और इसका पालन करुणा सागर पण्डा बहुत तल्लीनता से करते दिख रहे हैं।

करुणा सागर पण्डा की दृष्टि मौलिक है। वे बिल्कुल अछूते और कोरे उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जब वे लिखते हैं- 'गाँव की किसी सीधी पगडंडी की तरह सरल कमला को आज मोहन बाबू की गृहलक्ष्मी बने दो माह पूरे हो चुके थे।' 'गाँव की पगडंडी की तरह सरल' साहित्य में बिल्कुल ताजा उदाहरण है। किताब-घर, कमला की सादगी और गाँव की पगडंडी जैसी सरलता पाठक के मन में घर कर जाती है। लेखक ने सुजाता के बचपन को जिस वात्सल्य और लोकगीतों के साथ गढ़ा है, वह उपन्यास के उत्तरार्ध में आने वाली त्रासदी को और अधिक मार्मिक बना देता है। यही 'कोहरा' का शिल्प है - पहले उजाला दिखाना, फिर उसी पर पर्दा पड़ते दिखाना।

सच्चा शब्द शिल्पी वही है जो एक कहानी से कई संदेश दे। गाँव छोड़कर परदेश में बसने वालों के लिए लेखक इस उपन्यास में बड़ा ही मार्मिक कथन करते हैं- 'मनुष्य जहाँ पैदा होता है,वहाँ उसकी ऊर्जा का एक अंश हमेशा के लिए छूट जाता है कमला! वह व्यक्ति शहर आकर बस तो जाता है लेकिन गाँव में छूटा हुआ उसका वह अंश हमेशा उसे पुकारता ही रहता है।' मुरली मनोहर दुबे गाँव से जुड़ी अपनी तमाम स्मृतियों के हवाले से कहते हैं-' मुझे इस शहर ने नौकरी, पहचान,मकान सबकुछ दिया कमला! लेकिन उसके बदले इसने धीरे-धीरे मुझसे मेरे भीतर का गाँव छीन लिया रे! एकबार मैं भी गाँव हो आना चाहता हूँ । 'इस उपन्यास में जब लेखक लिखता है- ' पति को घर लौटने में देरी हो जाए तो पश्चिम की संस्कृति में पत्नी अपने पति के चरित्र पर शंका करती है लेकिन विशुद्ध भारतीय संस्कृति में पत्नी के प्रश्न पर पति के लिए फिक्र का भाव होता है। ' या जब वे लिखते हैं-' प्रश्न और जिज्ञासा में अन्तर होता है। प्रश्नकर्ता को उत्तर पहले से पता होता है लेकिन जिज्ञासा? जिज्ञासा की आग जब सुलगती है,तो सुकून की नींद भी खाक हो जाती है।

व्यंग्य

हल्ला मचाओ !

पूरन सरमा

हल्ला मचाने वाले के बेर बिकते हैं। चीख जितनी तीखी होगी, असर उतना ही पुरजोर से होगा। वैसे भी जिधर देखो उधर शोर हो रहा है। ध्वनि प्रदूषण से न संसद बच पा रही और न राज्यों की विधानसभायें। हल्ला मचाकर बात मनवाना हमारी नयी कल्चर है। जो लोग चीख नहीं पाते, वे कमजोर और दब्बू हैं। हमारे राजनेता इस मामले में सबसे अग्रणी हैं। सारे ऐब व दोषी पाये जाने के बाद में भी इतना चीखते हैं कि उनके अपराध गंगाजल की तरह पवित्र हो जाते हैं। वे बेवकूफ थोड़े ही हैं, जो बेकार में चीखेंगे। हल्ला मचाकर वे किसी सरकार को गिरा सकते हैं अथवा अपनी बेसुरी चिल्ल-पों से किसी का इस्तीफा झटक लेते हैं। किसी की जांच करवानी हो तो हल्ला मचाओ, किसी विधेयक को पास नहीं करवाना हो तो हल्ला मचाओ, तिल का ताड़ बनाना हो तो हल्ला मचाओ, उनकी मनचाही न हो तो हल्ला मचाओ, संसद या विधानसभा की कार्यवाही ठप्प करनी हो तो हल्ला मचाओ, सत्तापक्ष को नहीं सुनना हो तो हल्ला मचाओ और खुद पर आंच गिर रही हो तो हल्ला मचाओ। कुल मिलाकर काम न तो करो न करने दो और खामख्वाह हल्ला मचाओ। चुनाव में जीत जाओ तो हल्ला मचाओ और हार जाओ तो हल्ला मचाओ। सरकार को एक काम करते एक महीना हो जाये तो हल्ला मचाओ, सरकार की विफलताओं को लेकर हल्ला मचाओ।

उलटा-सीधा बयान मुंह से निकल जाये तो हल्ला मचाओ, महिला आरक्षण विधेयक में कमी हो तो हल्ला मचाओ, गरीबों के लिए कोई योजना शुरू करो तो हल्ला मचाओ, अच्छा बजट बना हो तो हल्ला मचाओ, मंत्री नहीं बनाओ तो हल्ला मचाओ, मुख्यमंत्री बनते-बनते रह जाओ तो हल्ला मचाओ, मनपंसद जांच आयोग न हो तो हला मचाओ और जब तक रिर्पोट नहीं आ जाये तब तक हल्ला मचाओ।

अयोध्या का मामला हो तो हल्ला मचाओ, राममंदिर बनाना है तो हल्ला मचाओ। सद्भाव की बात करो तो हल्ला मचाओ और चुनाव की मारा-मारी चल रही है तो हल्ला मचाओ। यानि एक सूत्री अभियान बचा है और वह है हल्ला मचाओ।

मेरे घर में भी हालात यही हैं। बच्चा जवान हो गया है, कुछ तो वह कामचोर है और प्रमादी है। काम-काज करने की कहो तो हल्ला मचाने लगता है और हल्ला मचाकर वह अपनी बेजा बात मनवा लेता है। रोटी-सब्जी खायेगा तो उनको बेस्वाद बताकर हल्ला मचायेगा। नहायेगा, धोयेगा, खायेगा, पीयेगा, सोयेगा, जागेगा कुछ भी करेगा उससे पहले हल्ला जरूर मचायेगा। घर में पढ़ने की कहो तो हल्ला मचाओ, अच्छी संगत में बैठने की कहो तो हल्ला मचाओ, सावधानी से रहने की कहो तो हल्ला मचाओ।

मोबाइल फोन, टी.वी., फ्रिज, सोफा, गाड़ी, ए.सी., कम्प्यूटर, डी.वी.डी. एक नहीं सैंकड़ों मांगे हैं, जिनके लिए कुछ मत करो-केवल हल्ला मचाओ। घर की समस्याओं पर विमर्श करो तो हल्ला मचाओ। यानि घर क्या है-बस कोहराम घर है।

इधर पत्नी को लो-उससे कोई बात करो वह रोना-पीटना शुरू कर देती है। उससे कहा थोड़े दिन पीहर चली जाओ तो हल्ला मचाती है। कुछ भी लेकर आओ तो हल्ला, नहीं लेकर आओ तो हल्ला, दफ्तर से देर से आओ तो हल्ला, आराम से बैठ जाओ तो हल्ला, बिजली-पानी को बिल आ जाये तो हल्ला, अखबार का बिल आ जाये तो हल्ला, भगवान के सामने हाथ जोड़कर श्रद्धा नहीं दिखाओ तो हल्ला, कोई मित्र आ जाये तो हल्ला, साले के बारे में कोई रोचक टिप्पणी कर दो-(जिसका कि वह हकदार है) तो हल्ला, वेतन देरी से मिले तो हल्ला, बूढ़े माता-पिता की थोड़ी बहुत सार-संभाल करलो तो हल्ला। बस कुल मिलाकर हल्ला ही हल्ला।

124/61-62, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302 020, मोबाइल-9828024500

ग़ज़ल — जाएँ तो कहाँ जाएँ?

स्वराज्य करुण

आँखों में धूल झोंक कर महान बन रहे हैं ,
बताओ कहाँ लोग अब इंसान बन रहे हैं !
साधुओं के मुखौटों में है भीड़ यहाँ भारी ,
शैतान सफेदपोश सब भगवान बन रहे हैं ।
गिरा नहीं जिनका कभी खेतों में पसीना ,
आराम- तलब फर्जी किसान बन रहे हैं ।
लूट की दौलत का खूब चमत्कार देखिए ,
भवन उनके खूब आलीशान बन रहे हैं ।
छतों पे उनके होने लगी वादों की नई खेती,
धरती पे बिछे खेत सब खदान बन रहे हैं ।
जाएँ तो कहाँ जाएँ उजड़कर हमारे गाँव,
हर तरफ शहर वालों के मकान बन रहे हैं ।
कौन सुने यहाँ कहो उन बस्तियों का दर्द
बुलडोजर संग लोग जहाँ हैवान बन रहे हैं ।
उनके लिए तो है मौज -मस्ती का मौसम,
ग़रीबों के घर -आंगन बियाबान बन रहे हैं ।

पिथौरा, जिला -महासमुंद(छत्तीसगढ़)

नवगीत — पानी के किवाड़

अशोक आनन

खोल रहा असाढ़ -
पानी के किवाड़ ।
आसमां से -
आईं बूंदें ज़मीं पर ।

वे बहुत रोईं -
पानी की कमी पर ।
बोलीं - पानी से -
देख रहे उजाड़ ।

कुएं , नदियां, ताल -
हैं कितने प्यासे ।
पियास से उनकी -
टूट रहीं सांसें ।
पानी ! उनके दिन -
और न बिगाड़ ।

जेठ मास है -
तुम कहां हुए फ़रार ।
पथ जोहे सूखा -
आंखें फ़ाड़ - फाड़ ।
चले गए तम्बू -
डेरा तुम उखाड़ ।

मावठे ने कभी -
दिखाया नहीं मुंह ।
देख दशा भू की -
कांपी नहीं रुह ।
अनमने समुन्दर -
उदास हैं पहाड़ ।

11/82 , जूना बाज़ार ,
मक्सी
जिला शाजापुर (म.प्र.)
पिनकोड - 465106
मो. - 9977644232
Email : ashokanan-maksi@gmail.com

श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। श्री राधा-कृष्ण मंदिर में शुक्रवार की रात भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। पंडित अविनाश महाराज के द्वारा भगवान श्री राधा कृष्ण की विधि विधान मंत्रोजाप के द्वारा जल, दूध, दही, शहद, शक्कर, घी, पंचामृत, गंगा जल, गुलाब जल से अभिषेक कराया गया। भगवान का श्रृंगार किया गया।

रात्रि 12 बजे जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री कृष्ण' और 'राधे-राधे' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में भाव-विभोर नजर आए। भक्तों ने भजनों पर झूमते-नाचते हुए अपनी श्रद्धा प्रकट की। वातावरण देर रात तक भक्तिमय बना रहा।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर में आकर्षक सजावट और धार्मिक आयोजन ने जन्माष्टमी पर्व की रौनक बढ़ा दी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और जन्मोत्सव में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

गीता के ज्ञान को अनुशरण करने से ही जीवन सार्थक होगी-निखिल सिंह

राधा-कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता में अनुष्का व परिधि गांधी प्रथम रही

भानुप्रतापपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को स्थानीय श्री राधा कृष्ण मंदिर में छोटे-छोटे बच्चों के लिए राधा कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नगर सहित क्षेत्र केलगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। जिनमे

कृष्ण में अनुष्का माहालंकर प्रथम, तेजल गांधी द्वितीय, एवं शिवांगी ठाकुर तृतीय वही राधा में परिधि गांधी प्रथम,वैभवी पवार द्वितीय एवं समृद्धि सांवले तृतीय स्थान में रहे।

प्रथम 3000 द्वितीय 2000 एवं तृतीय 1000 रुपये नगद राशि उपहार स्वरूप दिए गए। इनके अलावा सभी प्रतिभागियों को सांत्वना गिफ्ट के रूप में पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम के अतिथि - मुख्य निखिल सिंह राठौर अध्यक्ष नगर पंचायत, नरोत्तम चौहान किसान मोर्चा प्रदेश प्रचार मंत्री, राकेश रमानी अध्यक्ष ब्यापारी संघ, अनूप चौधरी उपाध्यक्ष ब्यापारी संघ, अंशुल जोशी कोषाध्यक्ष, ब्यापारी संघ गौरव मशीने सह सचिव ब्यापारी संघ, यश कठुरीय, आनन्द जैन, एवं मोंटी कुलदीप उपस्थित रहे।

किसने क्या कहा

निखिल सिंह राठौर ने कहा कि हम सभी भगवान श्री कृष्ण के चरित्र व लीला को सुनते आए है। महाभारत के युद्ध के दौरान भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में गीता का ज्ञान दिया है। वास्तव में हम सभी को उस ज्ञान को अपने जीवन मे उतारना चाहिए तभी हमारे दशा व दिशा बदलते हुए जीवन सार्थक व सफल होगी। उन्होंने मंदिर समिति के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि समय समय पर धार्मिक आयोजन करते हुए लोगो को धर्म के प्रति आस्था की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि मंदिर के लिए मेरे से जो भी सामर्थ के अनुसार सहयोग होगा मैं उसे जरूर पूरा करने की बात कही गई। उन्होंने श्री राधा कृष्ण मंदिर के ऊपर तल पर टाइल्स लगाने की बात कही।

राकेश रमानी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव पर हम सभी एकत्रित होकर यह उत्सव मना रहे है। धार्मिक आयोजन के लिए समिति की प्रशंसा करते हुए ऐसे कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगो के भागीदारी होनी चाहिए व अपने बच्चों को इस तरह के प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिए ताकि बच्चों को अपनी धार्मिक व संस्कृति को जानने व समझने में सार्थक होगी।

नरेंद्र शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र व कथा हमे जीवन जीने की प्रेणना देती है। हम सभी को अपने जीवन मे अनुशरण करना चाहिए।

नरोत्तम चौहान ने कहा कि हिन्दू सनातन की मुख्य त्यौहार है श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व है। धार्मिक आयोजन मंदिर देवालय सनातन धर्म के लिए भाजपा सरकार निरन्तर कार्य कर रही है।

निर्णायक टीम में शिक्षक कमलेश निषाद,शिक्षक निर्मला बाग एवं शिक्षक एकता ठाकुर रही

मंदिर समिति के अध्यक्ष निखिल शिवहरे ने कहा कि राधा कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का यह तीसरे वर्ष है। आगे आप लोगो का सहयोग मिलेगा तो और भी भव्य कार्यक्रम किये जायेंगे।

45 दिन की रिफिलिंग सीमा से गैस उपभोक्ता परेशान

15-25 दिन में सिलेंडर देने की मांग

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल। क्षेत्र के घरेलू गैस उपभोक्ताओं एवं हितग्राहियों ने गैस सिलेंडर की रिफिलिंग के लिए निर्धारित 45 दिनों की अवधि को समाप्त कर पूर्व की भांति 15 से 25 दिनों के भीतर रिफिलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। उपभोक्ताओं का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू गैस रोजमर्रा की आवश्यक जरूरत बन चुकी है, ऐसे में लंबे अंतराल के कारण समय पर सिलेंडर नहीं मिलने से परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हितग्राहियों मुन्ना सिन्हा, महेश दास मानिकपुरी, विनोद पारख एवं शिवभुवन सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश परिवार खाना पकाने सहित घरेलू कार्यों के लिए एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर हैं। ऐसे में 45 दिनों की निर्धारित अवधि के कारण सिलेंडर खत्म होने के बाद तत्काल रिफिल नहीं मिल पाने से उपभोक्ताओं के सामने परेशानी खड़ी हो जाती है। अधिक गैस खपत वाले परिवारों के लिए यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

इसी तरह ओमी चौधरी, कुबा चौधरी, सरस्वती वाल्मीकि एवं अन्य हितग्राहियों ने बताया कि पूर्व में 15 से 25 दिनों के अंतराल में रिफिलिंग की सुविधा मिलने से उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार समय पर सिलेंडर प्राप्त कर लेते थे। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में लंबा इंतजार करना पड़ता है, जिससे कई बार घरेलू कामकाज प्रभावित होता है।

हितग्राहियों ने संबंधित विभाग एवं गैस कंपनी से मांग की है कि 45 दिनों की सीमा की व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए पूर्व की तरह 15-25 दिनों में रिफिलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं सामान्य उपभोक्ताओं की वास्तविक जरूरत को देखते हुए रिफिलिंग व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाया जाना जनहित में होगा।

इस संबंध में इंडियन गैस, बस्तर संभाग के एरिया मैनेजर उदित कुमार सिंह ने बताया कि गैस की उपलब्धता एवं कीमत से संबंधित स्थिति को शीघ्र सामान्य किया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं को आश्वासन देते हुए कहा कि सोमवार तक गैस उपलब्ध करा दी जाएगी। गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि तत्काल सिलेंडर उपलब्ध होने के साथ-साथ भविष्य में भी रिफिलिंग की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को घरेलू गैस के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से उपभोक्ताओं की मांग पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।

छुरा क्षेत्र में अनेक विकास कार्यों के भूमिपूजन में शामिल होंगे विधायक

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू 6 सितंबर रविवार को छुरा विकासखंड के विभिन्न गांवों के दौरे पर रहेंगे। विधायक के दौरे को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

अपने दौरे के दौरान विधायक जहां विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, वहीं ग्रामीणों से रूबरू होकर क्षेत्र की समस्याओं, आवश्यकताओं और विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा करेंगे।जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार विधायक रोहित साहू सुबह 11:30 बजे राजिम स्थित अपने निवास से ग्राम बोड़राबांधा (ब), विकासखंड छुरा के लिए रवाना होंगे। वे दोपहर 12:10 बजे

बोड़राबांधा (ब) में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होकर क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देंगे।इसके बाद दोपहर 12:30 बजे ग्राम कसहीबाहरा (बोड़राबांधा-ब) पहुंचेंगे, जहां वे ग्रामीणों से जनसंपर्क करने के साथ पार्टी पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं, विकास की जरूरतों और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी।वहीं 1:15 बजे ग्राम बहेराभांठा (बोड़राबांधा-ब) में विधायक का जनसंपर्क एवं बैठक कार्यक्रम निर्धारित है।

यहां भी वे ग्रामीणों और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी लेंगे।दोपहर 2:30 बजे विधायक रोहित साहू ग्राम खुसरुपाली (कोसमबुड़ा) पहुंचेंगे। यहां जनसंपर्क कार्यक्रम के साथ पार्टी पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों के साथ बैठक करेंगे। इसी दौरान वे किरण भोगेंद्र ठाकुर, सरपंच के यहां आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर 3:30 बजे से विधानसभा क्षेत्र में उनका दौरा कार्यक्रम जारी रहेगा।

शिक्षक दिवस पर प्राथमिक शाला सोनादई में शिक्षकों का सम्मान शिक्षक राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव : विकास राजू

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल/लोहत्तर । दुर्गूकोंदल विकासखंड के प्राथमिक शाला सोनादई में शनिवार को शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत सभापति विकास राजू नायक, उपसरपंच गोविन्द दीवान, प्रधान पाठक अस्सी राम कोरेटी सहित शिक्षकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। जनपद पंचायत सभापति विकास राजू नायक एवं ग्रामवासियों ने प्रधान पाठक अस्सी राम कोरेटी एवं सहायक शिक्षक मनीषा दुग्गा को श्रीफल एवं साल भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं ग्रामवासियों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान शिक्षकों का सम्मान करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।शिक्षक दिवस भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उनका मानना था कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम में शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए उनका सम्मान किया गया।

जनपद पंचायत सभापति विकास राजू नायक ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण और जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने वाली मजबूत नींव हैं। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और बेहतर अवसर प्रदान करने में शिक्षकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण की सराहना की।

प्रधान पाठक अस्सी राम कोरेटी ने कहा कि शिक्षक होना केवल एक जिम्मेदारी या सेवा नहीं, बल्कि समाज की भावी पीढ़ी को गढ़ने का महत्वपूर्ण दायित्व है। प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को पहचानकर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना शिक्षक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक और ग्राम समुदाय के सामूहिक सहयोग से बच्चों के भविष्य को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

समाजसेवी मोहन साहू पंचतत्व में विलीन

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम (शेखर मिश्रा) । नगर के प्रतिष्ठित नागरिक, समाजसेवी एवं कृषक मोहन साहू का 3 सितंबर, गुरुवार को दोपहर 2 बजे आकस्मिक निधन हो गया। वे लगभग 70 वर्ष के थे। उनके निधन के बाद नगर के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में नगर के वरिष्ठजन, परिजन एवं समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। मोहन साहू के आकस्मिक निधन से परिजनों,एवं समाजजनों में शोक की लहर है। वे सरल,सहज एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए व्यक्ति तथा किसान के रूप में जाने जाते थे। स्वर्गीय मोहन साहू मुकेश साहू एवं देवा साहू के पिता तथा राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू के चाचा थे। उनके निधन पर परिजनों एवं समाजजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए माताओं ने रखा कमरछठ का निर्जला व्रत

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर बुधवार को कमरछठ यानी हलषष्ठी का पर्व नवापारा नगर सहित पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाया गया। महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर भगवान शिव-पार्वती सहित देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की और अपनी संतानों के मंगलमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छत्तीसगढ़ में कमरछठ के नाम से प्रसिद्ध इस

पर्व को देश के विभिन्न क्षेत्रों में हलषष्ठी, हलछठ, हरछठ और चंदनछठ के नाम से भी जाना जाता है। पर्व के अवसर पर नवापारा नगर के विभिन्न मोहल्लों और पूजा स्थलों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की।

महिलाओं ने पारंपरिक रीति से पूजा स्थल पर प्रतीकात्मक सगरी तालाब बनाकर उसमें छह प्रकार के खिलौने रखे। पार्थिव शिवलिंग स्थापित कर भगवान शिव, माता पार्वती सहित अन्य देवी-देवताओं की पूजा की गई। पूजा में भैंस का दूध, दही और घी के साथ लाई, महुआ, तिल और अरहर सहित छह प्रकार के अन्न अर्पित किए गए। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलषष्ठी व्रत की कथा भी सुनी।

हल से जुते खेत का अन्न नहीं किया ग्रह

कमरछठ की परंपरा के अनुसार इस दिन हल से जुते हुए खेत में उत्पन्न अन्न का सेवन नहीं किया जाता। पूजा-अर्चना पूर्ण होने के बाद महिलाओं ने पसहर चावल और छह प्रकार की भाजी सहित बिना हल से जुती भूमि से प्राप्त अन्न से तैयार प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण किया।

घर में फांसी पर झूलता मिला युवक, इकलौते बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल

विश्व केसरी■

गोबरा-नवापारा (शेखर मिश्रा)। नगर के वार्ड क्रमांक 16 स्थित सोमवारी बाजार क्षेत्र में जन्माष्टमी के दिन एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं इकलौते बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवारी बाजार स्थित रामजानकी मंदिर के पीछे की है। यहां हिमांशु ध्रुव अपनी मां चमेली ध्रुव के साथ रहता था। बताया जाता है कि हिमांशु टाइल्स लगाने का काम करता था और परिवार के भरण-पोषण में अपनी मां का सहयोग करता था।

शुक्रवार दोपहर करीब 12 से 2 बजे के बीच हिमांशु ने घर के अंदर गमछे से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों एवं आसपास के लोगों ने तत्काल नवापारा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि हिमांशु अपनी मां का इकलौता बेटा था। जन्माष्टमी जैसे पर्व के दिन अचानक हुई इस हृदयविदारक घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। बेटे की असमय मौत से मां चमेली ध्रुव गहरे सदमे में है और उसका रो-रोकर बुरा हाल है।

आत्महत्या का कारण अब भी रहस्य - समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ था। ऐसे में युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। नवापारा पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा परिजनों के बयान के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की संभावना है।

लोहत्तर क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, विधिवत हुआ प्रतिमा विसर्जन

विश्व केसरी■

लोहत्तर (सीताराम शर्मा)। ग्राम लोहत्तर, सोनादई, सीलपट, परभेली, जाड़ेकुर्से, भेलवापानी, दमकसा, सिवनी एवं क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा तथा भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। जन्माष्टमी के अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा एवं झांकी को आकर्षक ढंग से सजाया गया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण

के बाल स्वरूप के दर्शन कर सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों में भी खासा उत्साह नजर आया। ग्रामीणों ने मिलकर जन्माष्टमी पर्व को आपसी भाईचारे एवं सामाजिक एकता के साथ मनाया। देर शाम तक गांव का वातावरण 'जय श्रीकृष्ण', 'राधे-राधे' के जयकारों से भक्तिमय बना रहा।जन्माष्टमी उत्सव के समापन के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया गया। विसर्जन के लिए श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिमा को लेकर भक्तिमय यात्रा निकाली गई। यात्रा में ग्रामीणों ने भजन-कीर्तन एवं जयकारों के साथ सहभागिता निभाई। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण को भावपूर्ण विदाई दी।विसर्जन के दौरान 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' तथा 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण से ग्राम लोहत्तर सहित पूरे क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।ग्रामीणों ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी लोक परंपरा, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नोनदरहा में शिक्षक दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नोनदरहा, विकासखंड करतला (जिला कोरबा) में शिक्षक दिवस का पर्व छात्र-छात्राओं द्वारा अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच पुनीराम राठिया रहे। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक फुल सिंह कंवर, शिक्षक गौतम पटेल, शिक्षिका श्रीमती विष्णुलता सिदार, कस्तूरी राठिया एवं सरोज राठिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह में छात्र संघ अध्यक्ष जगदीश पटेल, उपाध्यक्ष प्राची पटेल तथा कक्षा नायक विनय सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और शिक्षकों का आभार जताया। अतिथियों व शिक्षकों ने

विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संसदीय दायित्व में एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जांजगीर-चांपा लोकसभा की सांसद कमलेश जांगड़े को Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill, 2026 पर गठित संयुक्त समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। लोकसभा द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार सांसद कमलेश जांगड़े को इस महत्वपूर्ण समिति में सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस जिम्मेदारी पर सांसद कमलेश जांगड़े ने कहा कि यह उनके लिए महत्वपूर्ण दायित्व है। समिति के माध्यम से विधेयक से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श में सहभागिता करते हुए जनहित एवं राष्ट्रहित में अपना योगदान देने का पूरा प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की जनता के विश्वास और आशीर्वाद को सदैव सर्वोपरि रखते हुए अपने संसदीय दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करती रहेंगी।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक बढ़ाने की आरबीआई से मिली मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से शनिवार को दी गई।

आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसे आरबीआई की ओर से 4 सितंबर को जारी मंजूरी पत्र की प्रति उसी दिन रात 9:09 बजे प्राप्त हुई।

इसके तहत एलआईसी मंजूरी प्राप्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर आईसीआईसीआई बैंक में यह हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। अगर इस अवधि में हिस्सेदारी नहीं खरीदी गई तो यह मंजूरी स्वत: रद्द हो जाएगी।

हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के अधीन है। इनमें लागू वैधानिक और नियामकीय प्रावधानों का पालन करना भी शामिल है।

बैंक ने स्पष्ट किया कि आरबीआई की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि एलआईसी ने तुरंत आईसीआईसीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत कर ली है।

एलआईसी द्वारा की जाने वाली कोई भी हिस्सेदारी खरीद आरबीआई द्वारा निर्धारित शर्तों और अन्य लागू नियामकीय नियमों के अनुसार ही होगी।

इससे पहले पिछले महीने आरबीआई ने एलआईसी को एचडीएफसी बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी थी। निजी बैंक ने बताया था कि 14 अगस्त तक एचडीएफसी बैंक की कुल शेयर पूंजी में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.11 प्रतिशत थी।

आईसीआईसीआई बैंक के लिए मिली यह मंजूरी एलआईसी को निजी क्षेत्र के इस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सुविधा देती है, हालांकि इसके लिए सभी लागू नियामकीय और वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा।

शुक्रवार को बीएसई पर एलआईसी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 415.25 रुपए पर बंद हुए। एक्सचेंज के अनुसार, एलआईसी का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 468.30 रुपए और 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर 361 रुपए है।

वहीं, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,423 रुपए पर बंद हुए। इस शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,479.90 रुपए और न्यूनतम स्तर 1,187.55 रुपए रहा।

सोना इस हफ्ते चार हजार रुपए और चांदी आठ हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमश: 4,000 रुपए और 8,000 रुपए से अधिक घट गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 4,694 रुपए कम होकर 1,54,884 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,59,578 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,41,874 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,46,173 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,16,163 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,19,684 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 2 सितंबर को शाम के सत्र में 1,51,184 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 1,55,835 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 8,436 रुपए कम होकर 2,35,456 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,892 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 2,37,199 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 सितंबर को सुबह के सत्र में 2,28,360 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,500 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 66 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ना था। अमेरिका की ओर से ईरान पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। वहीं, ईरान भी मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। इससे बॉन्ड यील्ड, डॉलर और कच्चा तेल भी मजबूत हो गया है।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बोर्स पहुंचे बेल्जियम के प्रधानमंत्री 100 साल पुरानी हीरा साझेदारी में नया मील का पत्थर

विश्व केसरी

मुंबई। भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से शुक्रवार को बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है। औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी-अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जब बीडीबी की योजना बन रही थी, तो एक टीम ने एंटवर्प का दौरा किया और वहां से सबक और प्रेरणा ली, जिसने मुंबई में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार केंद्र बनाने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि बीडीबी के उपाध्यक्ष मेहुल शाह वर्तमान में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेज के अध्यक्ष हैं, जो 1947 से व्यापार की वैश्विक शीर्ष संस्था है और जिसका

दिल्ली में भारी बारिश से विमान सेवाएं प्रभावित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हुई भारी बारिश से विमान सेवाएं प्रभावित हो गई हैं और इंडिगो एवं एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि दिल्ली में खराब मौसम के कारण उड़ान संचालन में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने यात्रियों से एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की अपील की। साथ ही यात्रियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलने की सलाह दी, क्योंकि जलभराव और सड़कों पर धीमी आवाजाही से एयरपोर्ट पहुंचने में दिक्कत हो सकती है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने भी यात्रियों को चेतावनी दी कि खराब मौसम के कारण दिल्ली से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

हालांकि, आईजीआई एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास खराब मौसम की संभावना है, लेकिन फिलहाल एयरपोर्ट का संचालन सामान्य रूप से जारी है। एयरपोर्ट संचालक ने कहा कि यात्रियों की

आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए उसकी ग्राउंड टीमें सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय कर रही हैं। यात्रियों को उड़ान की ताजा जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

दिल्ली और आसपास के इलाकों, जिनमें नोएडा और गाजियाबाद भी शामिल हैं, में सुबह मध्यम बारिश हुई। इससे हाल की गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी पैदा हो गई। पालम एयरपोर्ट टनल, गीता कॉलोनी, मंडी हाउस और सुब्रतो पार्क समेत कई इलाकों में जलभराव की सूचना मिली, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और सामान्य जनजीवन बाधित हुआ। बारिश के कारण दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 24.8 डिग्री सेल्सियस हो गया, जो पिछले दिन के मुकाबले 3.4 डिग्री कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार रात 11:30 बजे से शनिवार सुबह 5:30 बजे के बीच सफदरजंग में 0.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद सुबह 8:30 बजे तक अगले तीन घंटों में स्टेशन पर 1.3 मिलीमीटर और बारिश दर्ज हुई। आईएमजी ने दिल्ली और आसपास के इलाकों के लिए येलो से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और दिन के दौरान पूरे क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

एफसीएनआर (बी) के जरिए डॉलर आकर्षित करने में आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक और एचएसबीसी रहे सबसे आगे

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से डॉलर आकर्षित करने के लिए शुरू की गई विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमा स्कीम को निवेशकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और इसमें 127.22 अरब डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया है।

मैक्वेरी, जेफरीज और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज (एमओएसएल) की ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक, इस स्कीम के तहत इनफ्लो को आकर्षित करने के लिए बैंकों ने निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें ऑफर की हैं। इन इनफ्लो में बैंकों की हिस्सेदारी उनके घरेलू कारोबार के हिसाब से निर्धारित नहीं है। कई बैंकों ने अपने आकार के मुकाबले बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीआईसीआई बैंक निजी बैंकों में अग्रणी रहा है। मैक्वेरी के मुताबिक, निजी बैंक ने एफसीएनआर (बी) जमा में 17.88 अरब डॉलर या 1.70 लाख करोड़ रुपए का इनफ्लो आकर्षित किया है। फंड जुटाने में 70 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान बैंक की अपनी बैलेंस शीट से आया, जिसमें उसकी इंटरनेशनल ब्रांच से लिए गए लगभग 9 अरब डॉलर के लोन और दूसरे बैंकों को जारी किए गए 3.6 अरब डॉलर के स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट शामिल हैं। एमओएसएल का अनुमान है कि आईसीआईसीआई

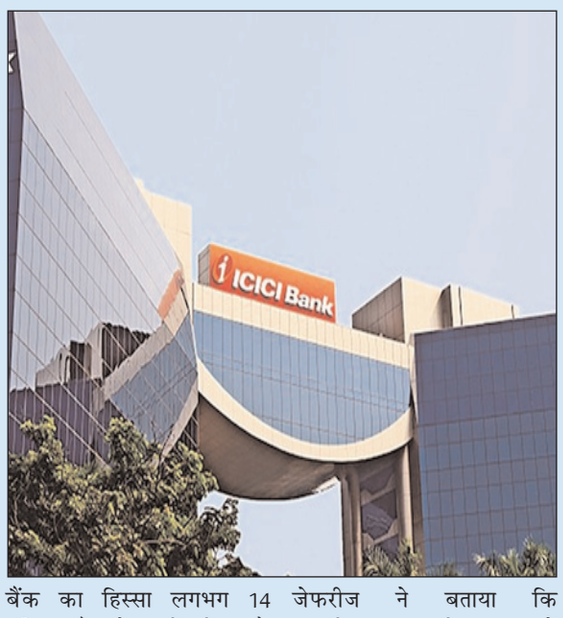

बैंक का हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत है, जो अभी भी उसके सामान्य डिपॉजिट-मार्केट हिस्सेदारी से दोगुना है। बैंक की इस मजबूत फंड जुटाने की क्षमता में उसकी इंटरनेशनल बैलेंस शीट का बड़ा योगदान रहा।

छोटे निजी बैंक आरबीएल बैंक ने भी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। एमओएसएल के अनुसार, बैंक ने लगभग 3.4 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपए) जुटाए, जो कुल एफसीएनआर (बी) जमा का लगभग 2.7 प्रतिशत था। यह बैंक के सामान्य डिपॉजिट मार्केट शेयर 0.5 प्रतिशत से काफी ज्यादा था।

इस स्कीम का सबसे ज्यादा फायदा विदेशी बैंकों को हुआ। जेफरीज ने बताया कि एफसीएनआर (बी) जमा में उनकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जून की शुरुआत में यह लगभग 1-2 प्रतिशत थी, जो जुलाई के अंत तक नए डिपॉजिट का 15 से 30 प्रतिशत हो गई।

एमओएसएल का अनुमान है कि 30 जुलाई तक एचएसबीसी बैंक ने कुल नए डिपॉजिट का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया और 6.1 अरब डॉलर (करीब 58,000 करोड़ रुपए) जुटाए। जेफरीज के डेटा से पता चला कि अगस्त के अंत तक एचएसबीसी के नए डिपॉजिट लगभग 6.14 अरब डॉलर तक पहुंच गए थे। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भी नए डिपॉजिट का लगभग 7 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया।

केंद्र सरकार की 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू, एमएसएमई को मिलेगी किफायती प्रोफेशनल सहायता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए अनुपालन (कंप्लायंस) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू की है। इस पहल का मकसद अनुपालन को डरावना नहीं, बल्कि आसान और ज्ञान को सुलभ बनाना है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुपालन को एक बोझ से बदलकर विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यवस्थित विकास का माध्यम बनाना है।

सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य प्रशिक्षित और प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक पूल तैयार करना है जो

एमएसएमई को बिजनेस और रेगुलेटरी अनुपालन में मदद कर सकें। यह प्रोग्राम आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीओएआई की प्रोफेशनल विशेषज्ञता को आईआईटी मद्रास, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक औरस्वयं प्लस के तकनीकी और अकादमिक सहयोग के साथ जोड़ता है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) ने कॉर्पोरेट मित्र कोर्स शुरू कर दिया है, जिसके पहले बैच में 2,879 शिक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार, कॉर्पोरेट मित्र लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का लॉन्च इस प्रोग्राम के स्ट्रक्चर्ड लर्निंग और क्षमता-विकास चरण की शुरुआत है। इस कोर्स का लक्ष्य प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक कुशल समूह तैयार करना है जो एमएसएमई को किफायती प्रोफेशनल सहायता प्रदान कर सके, जिससे व्यापार करने में आसानी, रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कोयला गैसीकरण योजना के तहत कोई आवेदन न मिलने की रिपोर्ट्स को कोयला मंत्रालय ने किया खारिज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि 37,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण योजना को कोई आवेदन नहीं मिला है।

मंत्रालय ने बताया कि तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और एनटीपीसी लिमिटेड ने ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपने-अपने आवेदन पहले ही जमा कर दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय उन अन्य संभावित आवेदकों के संपर्क में भी है जो प्रोजेक्ट की तैयारी और आवेदन को अंतिम रूप देने के अलग-अलग चरणों में हैं। पहले राउंड के लिए आवेदन जमा करने की समय-सीमा 7 सितंबर, 2026 है।

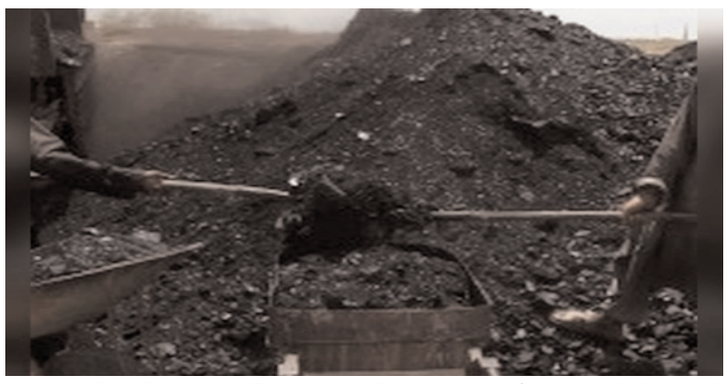

बयान में आगे कहा गया कि जब तक एप्लीकेशन विंडो बंद नहीं हो जाती, तब तक पहले राउंड में मिली एप्लीकेशन की संख्या का पक्के तौर पर आकलन या ब्योरा नहीं दिया जा सकता और मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि उससे पहले किया गया कोई भी आकलन अधूरा या अनिर्णायक होगा। इसके अलावा, कई और आवेदक प्रोजेक्ट की तैयारी के अलग-अलग चरणों में हैं। इस स्कीम का रोलिंग, मल्टी-राउंड एप्लीकेशन डिजाइन नए आवेदकों को बाद के राउंड में आवेदन करने की सुविधा देता है। ये राउंड हर विंडो के बंद होने के अगले दिन खुलते हैं और दो महीने तक खुले रहते हैं। इस स्कीम के तहत सोचे गए प्रोजेक्ट्स का दायरा बड़ा और जटिल है, इसलिए आवेदकों को काफी तैयारी करनी पड़ती है। इसमें प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करना, टेक्नोलॉजी के विकल्पों का आकलन करना, कोयला/लिग्नाइट और दूसरे फीडस्टॉक के इंतजाम की पहचान करना, प्रोजेक्ट की आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना और प्रोजेक्ट के विस्तृत प्रस्ताव तैयार करना शामिल है।

सुबह पेट साफ नहीं होता? चूर्ण-दवा छोड़िए, सोने से पहले तलवों पर इस तेल से करें मालिश, कब्ज की हो जाएगी छुट्टी

अगर सुबह पेट ठीक से साफ न हो, तो पूरा दिन भारीपन, गैस और बेचैनी में बीतता है. कब्ज की इस रोजमर्रा की समस्या से राहत पाने के लिए दवाओं और चूर्ण के बजाय एक बेहद आसान घरेलू नुस्खा भी काम आ सकता है. रसोई में मौजूद प्याज, लहसुन और अजवाइन से खास तेल तैयार करके रात में तलवों की मालिश करने से शरीर को रिलैक्स मिलने के साथ पाचन क्रिया को भी सहारा मिलता है.

कब्ज की वजह से सुबह पेट साफ न हो तो पूरा दिन परेशान गुजरता है. पेट भारी रहना, गैस और ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं. ऐसे में लोग कई तरह के चूर्ण और दवाओं का सहारा लेते हैं. लेकिन एक घरेलू तरीका ऐसा है जिसमें कुछ आम चीजों से तेल तैयार करके रात में तलवों पर मालिश की जाती है. इस नुस्खे में इस्तेमाल होने वाली चीजें आपको आसानी से घर की रसोई में मिल जाएंगी. आइए जानते हैं पूरा तरीका.

इस घरेलू तेल को बनाने के लिए आपको सिर्फ कुछ आम चीजों की जरूरत होगी. करीब 100 मिलीलीटर सरसों का तेल या तिल का तेल लें. इसके साथ एक मध्यम आकार का बारीक कटा प्याज, 6 से 7 कुटी हुई लहसुन की कलियां और एक छोटा चम्मच अजवाइन लें. यानी नुस्खे की खास चीजें हैं प्याज, लहसुन और अजवाइन. इन्हें तेल में धीमी आंच पर पकाया जाता है. अब जानते हैं कि इन चीजों को तेल में डालकर किस तरह तैयार करना है.

सबसे पहले छोटी कड़ाही में 100 मिलीलीटर सरसों का तेल या तिल का तेल डालकर हल्का गर्म करें. अब इसमें बारीक कटा प्याज, कुटी हुई 6 से 7 लहसुन की कलियां और एक छोटा चम्मच अजवाइन डाल दें. गैस की आंच धीमी रखें और सारी चीजों को धीरे-धीरे पकने दें. जब प्याज और लहसुन का रंग गहरा भूरा होने लगे तो गैस बंद कर दें. ध्यान रखें कि सामग्री जलकर काली न हो. तेल ठंडा होने पर इसे छानकर साफ शीशी में रख लें.

अब बारी आती है इस तेल को लगाने की. रात में सोने से करीब 15 मिनट पहले पैरों को गुनगुने पानी से धोकर अच्छी तरह सुखा लें।

इसके बाद तेल की कुछ बूंदें हथेली पर लें और दोनों पैरों के तलवों पर लगाएं. अंगूठे और उंगलियों से करीब 5 से 7 मिनट तक हल्के हाथ से मसाज करें. मालिश करते समय तलवों के बीच वाले हिस्से पर भी हल्का दबाव दिया जा सकता है. इसके बाद सूती मोजे पहनकर सो जाएं ताकि तेल बिस्तर पर न लगे.

कब्ज से राहत के लिए पूरी तरह से सिर्फ किसी घरेलू नुस्खे पर निर्भर रहना ठीक नहीं है. दिनभर पर्याप्त पानी पीना, खाने में फल, सब्जियां और फाइबर वाली चीजें शामिल करना जरूरी है. रात में बहुत भारी खाना खाने से भी बचें. रोजाना थोड़ा पैदल चलना और शरीर को एक्टिव रखना भी मददगार हो सकता है. अगर कब्ज कभी-कभार होती है तो खान-पान और दिनचर्या में सुधार से राहत मिल सकती है. लेकिन समस्या बार-बार हो रही है तो इसकी वजह जानने के लिए डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

भारत के ऐसे रैलवे रूट्स जहां मंजिल से ज्यादा खूबसूरत है सफर, विंडो सीट मिल गई तो समझिए जैकपॉट

भारत में ट्रेन से सफर सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने का जरिया नहीं है. कई बार असली कहानी उस रास्ते में छिपी होती है, जो खिड़की के बाहर लगातार बदलता रहता है. कभी दूर तक फैली पहाड़ियों के बीच ट्रेन धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, तो कभी समुद्र कुछ ही दूरी पर पटरियों के साथ चलता दिखाई देता है. ऐसे सफर में मंजिल आने का इंतजार कम और रास्ता खत्म होने का अफसोस ज्यादा होता है. खासकर जब आपको विंडो सीट मिल जाए, तब मोबाइल निकालकर फोटो लेने से ज्यादा मन बाहर देखते रहने का करता है. अगर आप भी अगली ट्रेन यात्रा को सामान्य सफर से थोड़ा अलग बनाना चाहते हैं, तो भारत के इन खूबसूरत रेलवे रूट्स को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल कर सकते हैं.

कोंकण रेलवे: पहाड़, झरने और समुद्र का साथ पश्चिमी तट से गुजरने वाला कोंकण रेलवे रूट भारत के सबसे खूबसूरत रेल सफरों में गिना जाता है. महाराष्ट्र से गोवा और कर्नाटक की ओर जाते समय ट्रेन कई सुरंगों, पुलों और हरी-भरी पहाड़ियों से गुजरती है. मानसून के दौरान इसका नजारा और भी आकर्षक हो जाता है. जगह-जगह छोटे झरने और घने जंगल दिखाई देते हैं.

खिड़की वाली सीट का असली मजा इस रूट पर विंडो सीट मिलना सच में किसी जैकपॉट से कम नहीं लगता. कई हिस्सों में ट्रेन एक तरफ पहाड़ और दूसरी तरफ हरियाली के बीच से गुजरती है. कैमरा तैयार रखना पड़ता है, क्योंकि अगला दृश्य कब सामने आ जाए, पता ही नहीं चलता.

कालका-शिमला रेलवे: पहाड़ों के बीच छोटी रेल कालका-शिमला रेलवे उन यात्रियों के लिए खास है जिन्हें धीमी रफ्तार में पहाड़ों को देखने का मजा लेना पसंद है. छोटी ट्रेन घुमावदार रास्तों, सुरंगों और ऊंचे पुलों से गुजरते हुए शिमला की ओर बढ़ती है. यहां सफर खुद एक अनुभव बन जाता है. ट्रेन की गति भले ही तेज न हो, लेकिन शायद यही इसकी खूबसूरती है. रास्ते में देवदार के पेड़, पहाड़ी ढलान और बदलता मौसम यात्रियों को लगातार खिड़की की ओर देखने पर मजबूर करते हैं.

दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे: बादलों के बीच सफर पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे भी ऐसा रूट है जहां ट्रेन यात्रा को लेकर उत्सुकता मंजिल से पहले ही शुरू हो जाती है. पहाड़ी रास्तों से गुजरती टॉय ट्रेन और आसपास का प्राकृतिक वातावरण सफर को अलग पहचान देता है. कई जगहों पर पहाड़ों के बीच से खुला दृश्य दिखाई देता है।

ठंडी हवा और धुंध के बीच चलती ट्रेन का अनुभव खासकर उन यात्रियों को पसंद आता है जो प्रकृति के करीब समय बिताना चाहते हैं।

बोरिंग लौकी को दें नया ट्विस्ट, कद्दूकस लौकी से बनाएं क्रिस्पी हाई-प्रोटीन टिक्की, नोट करें रेसिपी

लौकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन स्वाद के मामले में कई लोगों पसंद नहीं आता. खासतौर पर बच्चे लौकी खाने में बहुत नखरा दिखाते हैं. ऐसे में लौकी टिक्की की रेसिपी आप ट्राई कर सकते हैं. इसका कुरकुरापन बच्चों को खूब पसंद आता है.

लौकी में कैलोरी कम होती है और यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है. इसके अलावा लौकी आसानी से पच भी जाता है, जो इसे कमजोर वाले लोगों और बच्चे-बुढ़ों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाता है. लेकिन कई परिवारों में लौकी बिल्कुल खाना पसंद नहीं किया जाता है. लौकी का नाम सुनते ही मुंह बना लेते हैं, खासकर बच्चों को लौकी की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं आती.

पर अगर इसी साधारण सब्जी को स्वादिष्ट और हेल्दी तरीके से तैयार किया जाए, तो यह हर किसी की पसंद बन सकती है. अगर आप ऐसी रेसिपी की तलाश में हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी भी हो, तो हाई-प्रोटीन लौकी पनीर टिक्की एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है. यह बाहर से कुरकुरी और अंदर से नरम होती है. इसे बनाने में बहुत कम तेल का इस्तेमाल होता है, इसलिए यह उन लोगों के लिए भी अच्छी है जो फिटनेस और हेल्दी डाइट पर ध्यान देते हैं.

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में कद्दूकस की हुई लौकी, प्याज, पनीर, बेसन, सोया फ्लोर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, हरी मिर्च और सफेद तिल डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं।

चाबी लगाने पर भी नहीं खुल रहा डोर लॉक? ये ट्रिक कर सकती है मिनटों में काम

दरवाजे का लॉक अचानक जाम हो जाए तो चाबी घूमना बंद हो जाती है और कई बार दरवाजा खोलना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में घबराकर लॉक पर जोर लगाने के बजाय कुछ आसान उपाय आजमाए जा सकते हैं.

घर के दरवाजे का लॉक अचानक जाम हो जाए तो काफी परेशानी हो सकती है. कई बार चाबी लॉक में जाने के बाद घूमती नहीं है, तो कभी चाबी अंदर जाती ही नहीं. पुराने लॉक में धूल, जंग और गंदगी जमा होने के कारण ऐसी समस्या हो सकती है. वहीं कई बार दरवाजे और फ्रेम के बीच दबाव पड़ने से भी लॉक का लैच फंस जाता है. ऐसी स्थिति में घबराने या लॉक पर जोर लगाने के बजाय कुछ आसान तरीके आजमाए जा सकते हैं.

अगर चाबी लॉक में फंस गई है या घूम नहीं रही है, तो सबसे पहले उस पर ज्यादा दबाव डालना बंद करें. जोर से चाबी घुमाने पर वह लॉक के अंदर टूट सकती है और समस्या और बढ़ सकती है. चाबी को धीरे-धीरे अंदर और बाहर करें और फिर आराम से घुमाने की कोशिश करें.

लॉक में Lubricant का करें इस्तेमाल

लॉक के अंदर धूल या गंदगी जमा होने पर उसका मैकेनिज्म ठीक से काम नहीं करता. ऐसी स्थिति में लॉक के लिए बने ग्रेफाइट पाउडर या Dry Lubricant का इस्तेमाल किया जा सकता है. थोड़ी मात्रा keyhole में डालें और चाबी को धीरे-धीरे अंदर-बाहर करें. इसके बाद चाबी घुमाने की कोशिश करें.

कई बार समस्या लॉक में नहीं, बल्कि दरवाजे की Position में होती है. अगर दरवाजा फ्रेम पर ज्यादा दबाव डाल रहा है तो लॉक का लैच अटक सकता है. ऐसे में दरवाजे को हल्का अपनी तरफ खींचते या धकेलते हुए चाबी घुमाने की कोशिश करें. कई बार इस छोटे से बदलाव से जाम लॉक खुल जाता है.

दूसरी चाबी से करें कोशिश

कभी-कभी लॉक खराब नहीं होता, बल्कि चाबी घिस जाने या हल्की मुड़ जाने की वजह से समस्या आती है. अगर आपके पास Spare Key है तो उससे लॉक खोलने की कोशिश करें. अगर दूसरी चाबी आसानी से घूम जाती है, तो पुरानी चाबी को बदल देना बेहतर है।

पुराने लॉक में हो सकती है जंग

अगर लॉक काफी पुराना है तो उसके अंदर जंग या गंदगी जमा हो सकती है. ऐसे में बार-बार चाबी घुमाने की कोशिश करने से नुकसान हो सकता है. लॉक की सफाई और सर्विसिंग की जरूरत पड़ सकती है.

कब बुलाएं Locksmith ?

अगर इन तरीकों के बाद भी लॉक नहीं खुल रहा है, चाबी टूटने का खतरा है या लॉक का अंदरूनी मैकेनिज्म खराब हो गया है, तो खुद से लॉक तोड़ने या जबरदस्ती खोलने की कोशिश न करें. इससे दरवाजे और लॉक दोनों को नुकसान हो सकता है।

बचपन से टीन एज में कदम रख रहे बच्चों के लिए क्या है प्राइवेसी की सही सीमा? पेरेंट्स जरूर पढ़ें ये बातें

बच्चे जब किशोरावस्था की तरफ बढ़ते हैं, तो उनकी सोच, पसंद और व्यवहार में कई बदलाव आने लगते हैं. ऐसे में उनका हर समय पीछा करने या फोन चेक करने के बजाय उन्हें थोड़ी प्राइवेसी देना जरूरी है. लेकिन सवाल है कि बच्चे को कितनी आजादी दें और उसकी सुरक्षा का ध्यान कैसे रखें? जानिए पेरेंट्स के लिए भरोसे और प्राइवेसी के बीच सही संतुलन बनाने के आसान तरीके.

बच्चे जैसे-जैसे बड़े होने लगते हैं, उनकी दुनिया भी बदलने लगती है. जो बच्चा कुछ साल पहले अपनी हर छोटी-बड़ी बात मम्मी-पापा को बताता था, वही अब अपने कमरे में अकेले रहना, दोस्तों से बातें करना या अपने फोन पर समय बिताना पसंद कर सकता है. यही वह दौर है जब बच्चे बचपन से किशोरावस्था की तरफ बढ़ रहे होते हैं. ऐसे में पेरेंट्स के मन में अक्सर सवाल आता है कि बच्चे को कितनी आजादी दी जाए और उसकी प्राइवेसी की सीमा कहां तय की जाए?

प्राइवेसी का मतलब दूरी नहीं

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि बच्चे को प्राइवेसी देना उसे परिवार से दूर करना नहीं है. बढ़ती उम्र में बच्चे अपनी अलग पहचान और पसंद-नापसंद को समझने लगते हैं. उन्हें हर समय यह महसूस कराना कि माता-पिता उनकी हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं, कई बार उन्हें बातें छिपाने के लिए मजबूर कर सकता है।

रात में अचानक लगती है भूख? बिना वजन बढ़ाए खाएं ये 6 हेल्दी स्नैक्स, कैलोरी 100 से भी कम!

रात में अचानक भूख लगने पर अक्सर लोग अनहेल्दी चीजें खा लेते हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है. लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं! हम आपके लिए लाए हैं 6 ऐसे हेल्दी स्नैक्स, जिनकी कैलोरी 100 से भी कम है. इन्हें खाकर आप अपनी भूख भी मिटा सकते हैं और वजन भी कंट्रोल में रख सकते हैं.

रात में सोने से पहले अचानक भूख लगना या कुछ खाने की क्रेविंग होना काफी आम बात है. ऐसे में अक्सर लोग चिप्स, बिस्कुट, मिठाई, इंस्टेंट नूडल्स या दूसरी अनहेल्दी चीजों का सहारा ले लेते हैं. कभी-कभार ऐसा करना बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन देर रात बार-बार हाई-कैलोरी स्नैक्स खाने की आदत वजन और नींद समेत आपकी ओवरऑल हेल्थ को प्रभावित कर सकती है. अगर रात में सचमुच भूख लगी है, तो तला-भुना या बहुत ज्यादा मीठा खाने के बजाय हल्के और पोषण से भरपूर विकल्प चुनना बेहतर हो सकता है. यहां ऐसे 6 स्नैक्स बताए जा रहे हैं, जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये आमतौर पर 100 कैलोरी के आसपास या उससे कम रह सकते हैं.

ब्लूबेरी – लगभग एक कप ब्लूबेरी में करीब 80 कैलोरी हो सकती हैं. इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो संतुलित डाइट का हिस्सा बन सकते हैं. रात में कुछ मीठा खाने का मन हो तो ब्लूबेरी एक हल्का विकल्प हो सकता है. कैसे खाएं: इन्हें सीधे धोकर खाएं या थोड़ी मात्रा में बिना चीनी वाले ग्रीक योगर्ट के साथ ले सकते हैं.

एवोकाडो – आधा एवोकाडो करीब 80 कैलोरी का हो सकता है, हालांकि इसका आकार अलग होने पर कैलोरी भी बदल सकती है. इसमें फाइबर, पोटैशियम और मोनोअनसैचुरेटेड फैट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. कैसे खाएं: एवोकाडो को मैश करके उसमें थोड़ा नमक और काली मिर्च डालकर खा सकते हैं. रात में इसे खाते समय ज्यादा ब्रेड, चीज या भारी ड्रेसिंग जोड़ने से बचें.

केला – एक छोटा केला लगभग 60-80 कैलोरी का हो सकता है. इसमें पोटैशियम और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो इसे रात में हल्की भूख के लिए सुविधाजनक विकल्प बनाते हैं. कैसे खाएं: केले को सीधे खाएं. स्वाद बढ़ाने के लिए ऊपर से थोड़ी दालचीनी छिड़क सकते हैं. शहद या चीनी की अतिरिक्त मात्रा डालने से कैलोरी बढ़ सकती है.

सेब – एक मीडियम आकार के सेब में लगभग 55-80 कैलोरी हो सकती हैं. इसमें फाइबर और कई तरह के पौधों से मिलने वाले एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. इसका फाइबर पेट को कुछ देर भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकता है. कैसे खाएं: सेब को धोकर सीधे खाएं या ऊपर से थोड़ी दालचीनी डालें. अगर कैलोरी सीमित रखनी है तो रात में ज्यादा मात्रा में पीनट बटर या मीठी स्प्रेड का इस्तेमाल ना करें.

उबला अंडा – एक बड़े उबले अंडे में लगभग 70-80 कैलोरी होती हैं और यह प्रोटीन का अच्छा स्रोत है. अगर रात में भूख ऐसी है कि सिर्फ फल खाने से संतुष्टि नहीं मिल रही, तो उबला अंडा एक अच्छा विकल्प हो सकता है. कैसे खाएं: उबले अंडे को थोड़ा नमक, काली मिर्च और बारीक कटी सब्जियों के साथ खा सकते हैं. इसे ज्यादा तेल या मेयोनेज़ के साथ खाने से बचें.

गाजर – 100 ग्राम कच्ची गाजर में लगभग 40 कैलोरी होती हैं. इसमें फाइबर और बीटा-कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. देर रात कुछ कुरकुरा खाने का मन हो तो गाजर चिप्स या तले हुए स्नैक्स की तुलना में हल्का विकल्प हो सकती है।

कैसे खाएं: गाजर को धोकर स्टिक्स के रूप में खाएं या हल्का ब्लांच करके लें. थोड़ी मात्रा में ह्यूमस के साथ भी खा सकते हैं.

7रात में स्नैकिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान – ध्यान रखें कि 100 कैलोरी से कम होना किसी खाद्य पदार्थ को अपने आप हेल्दी नहीं बना देता. स्नैक की मात्रा, आपकी कुल डाइट, दिनभर की शारीरिक गतिविधि और आपकी व्यक्तिगत जरूरतें भी मायने रखती हैं. अगर हर रात सोने से ठीक पहले तेज भूख लगती है, तो दिनभर के भोजन, खासकर डिनर में प्रोटीन और फाइबर की पर्याप्त मात्रा पर ध्यान देना उपयोगी हो सकता है. वहीं बहुत भारी, तला-भुना, मसालेदार या अधिक मीठा भोजन सोने के बेहद करीब लेने से बचना बेहतर है।

आर्मी मेजर बनने के लिए लेनी पड़ी खास ट्रेनिंग, अश्मिता बख्शी ने बताया अपना अनुभव

अश्मिता बख्शी

मुंबई । अश्मिता बख्शी इन दिनों टीवी शो '108 बेस हॉस्पिटल - उरी' में आर्मी मेजर और नर्स अग्नेता सोलंकी के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि शो का कॉन्सेप्ट उन्हें बहुत अच्छा लगा, जिस वजह से वह शो के लिए मना नहीं कर पाई।

"उन्होंने बताया, "इस शो में मैं एक नर्स का किरदार निभा रही हूं, जो सेना में मेजर भी हैं। इस शो के मेकर्स के साथ मैंने पहले भी काम किया है। वह इस किरदार के लिए कास्टिंग कर रहे थे और मुझे लगता है कि यह आखिरी रोल था जिसे उन्हें फाइनल करना था। उन्होंने मुझे इसके लिए बुलाया और किरदार के बारे में बताया।"

इस तरह की खास ट्रेनिंग लेनी पड़ी

- सही बॉडी लैंगवेज, पोस्टर और स्टांस की ट्रेनिंग
- आर्मी ऑफिसर के तौर पर मिलने और व्यवहार का अभ्यास
- ऑपरेशन थिएटर और अस्पताल के प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग
- शूट से पहले दी गई पूरी तैयारी, जिसे शो में किया गया शामिल

स्पोर्ट्स फैमिली से हैं ताल्लुक

अश्मिता ने बताया, "मैं एक स्पोर्ट्स फैमिली से ताल्लुक रखती हूं। मेरे दादाजी हॉकी खेलते थे और फिटनेस मेरे खून में हैं। आर्मी स्टांस रखना और जरूरी बॉडी पोश्चर बनाए रखना मेरे लिए थोड़ा आसान था। एक प्रोफेशनल डांसर होने से भी मुझे मदद मिली।"

शो असली अनुभवों से है प्रेरित

यह शो श्रीनगर के असल आर्मी हॉस्पिटल से प्रेरित है, लेकिन शूट वहां नहीं हुआ। हमने मुंबई स्टूडियो में शूट किया और इसका कुछ हिस्सा कश्मीर में शूट किया गया। किरदार काल्पनिक हैं, लेकिन कहानियां असल अनुभवों से प्रेरित हैं।

"यह शो डेली सोप से बिल्कुल अलग है। इसी कॉन्सेप्ट ने मुझे उत्साहित किया और मैंने इसे करने का फैसला लिया।" – अश्मिता बख्शी

हर्षवर्धन राणे ने जॉन अब्राहम और राम गोपाल वर्मा को बताया अपना गुरु, शेयर की खास तस्वीरें

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर उन लोगों को याद किया, जिन्होंने उन्हें एक बेहतर इंसान और इतने मुकाम तक पहुंचाने में मदद की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए उन रिश्तों की झलक दिखाई जो उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के दौरान बनाए हैं। पहली तस्वीर में अभिनेता हर्षवर्धन राणे एक्टर-प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम के साथ हैं। दोनों एक तस्वीर में एक गर्मजोशी भरा पल शेयर करते दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा एक कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि तीसरी फोटो में हर्षवर्धन एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं।

तस्वीर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, 'मेरे टीचर्स मेरे गॉडफादर के लिए। शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसके बाद उन्होंने एक और लाइन लिखी, 'मैं उनसे सीख रहा हूं बस काम करते रहना।

अभिनेता हर्षवर्धन राणे जॉन अब्राहम को अपना मेंटर मानते हैं। बताया जाता है कि हर्षवर्धन राणे की जॉन से पहली मुलाकात 2004 में हुई थी, जब एक डिलीवरी बॉय के तौर पर उन्होंने जॉन अब्राहम को एक हेलमेट डिलीवर किया था। सालों बाद दोनों अब साथ में फिल्म 'फोर्स-3' में नजर आएंगे।

जॉन अब्राहम इस फिल्म में एक बार फिर अपने लोकप्रिय और दमदार किरदार एसीपी यशवर्धन सिंह के रूप में लौट रहे हैं, जबकि हर्षवर्धन इस फिल्म में खलनायक (विलेन) या उनके आमने-सामने की टक्कर वाले रोल में दिखाई देंगे।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा (आरजीवी) और अभिनेता हर्षवर्धन राणे के बीच का बॉन्ड सिनेमाई जूनून, आपसी सम्मान और एक बड़े क्रिएटिव बदलाव पर टिका है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'पुलिस कंपनी' को राम गोपाल वर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मुंबई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की जिंदगी पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें एक्टर पुलिस वाले का रोल करेंगे।

शूटिंग और फिजिकली मुश्किल रोल की तैयारी के साथ-साथ अभिनेता हर्षवर्धन राणे साइकोलॉजी (ऑनर्स) में बैचलर ऑफ आर्ट्स कर रहे हैं, जिसकी झलक वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दिखाते रहते हैं।

प्रियदर्शन ने 'कसौटी' से जुड़ा पुराना किस्सा किया शेयर, कहा- अमिताभ बच्चन मेरे लिए भगवान थे

मुंबई। निर्देशक प्रियदर्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' लेकर आ रहे हैं। निर्देशक ने बताया कि युवा दौर में वे फिल्मों के इतने बड़े शौकीन होते थे कि सुपरस्टार की झलक बड़े पर्दे पर देखने के लिए किसी भी हद तक चले जाते थे।

प्रियदर्शन ने आईएएनएस के साथ बातचीत में स्टारडम के बदलते दौर और मेगास्टार अमिताभ बच्चन जैसे कलाकारों से जुड़े समय को भी याद किया। उन्होंने फिल्म 'कसौटी' के पहले दिन का शो देखने के लिए टिकट पाने की अपनी कोशिश को याद किया और कहा कि वो याद आज भी उनके दिमाग में ताजा है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म 'कसौटी' के पहले दिन का टिकट लेने की कोशिश का एक बड़ा निशान अब भी मेरे पास है। अमिताभ बच्चन मेरे लिए भगवान हुआ करते थे। उनके लिए मेरे मन में इज्जत आज भी बिल्कुल वैसी ही है, लेकिन अपने सुपरस्टार को लेकर लोगों में उस तरह की दिवानगी होना बहुत मुश्किल है।

निर्देशक का कहना है कि आज के समय में हर स्टार कोने में हैं। आप उन्हें आज के दौर में आराम से घूमते हुए देख सकते हैं, लेकिन उन एक्टर्स का वो दौर ही अलग था, जिन्हें आप उस समय देखना चाहते थे।

उन्होंने आगे कहा, 'उस समय जब आप कोई मूवी देखते थे, तो आप सिर्फ फिल्म नहीं देखते थे बल्कि, उस समय के एक्टर्स को देखते थे। क्योंकि आप उस एक्टर या एक्ट्रेस के आसपास की बातें जानकर हैरान होते थे। निर्देशक प्रियदर्शन ने बताया कि जिंदगी की बदलती रफ्तार ने ये स्टारडम भी बदलकर रख दिया है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे समय बीत रहा है, जिंदगी की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ रही है। इसलिए लोगों में उन दिनों जैसा सब्र नहीं है।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

विश्व केसरी ■

मुंबई। बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।'

नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है। अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।'

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

श्रीकृष्ण से मिली सीख पर बोलीं सोनाक्षी बत्रा, 'भगवान ने कई भूमिकाएं निभाईं, फिर भी खुद को नहीं खोया'

विश्व केसरी ■

मुंबई। 'जगधात्री' में मुख्य भूमिका निभा रही अभिनेत्री सोनाक्षी बत्रा ने जन्माष्टमी के मौके पर भगवान कृष्ण के साथ अपने जुड़ाव और उनके जीवन से मिलने वाली सीख के बारे में बात की।

उन्होंने बताया कि बचपन में जब वह अलग-अलग एक्टिविटी में हिस्सा लेती थीं और स्टेज पर परफॉर्म देने जाती थीं, तब उनके पिता हमेशा उन्हें भगवान कृष्ण का आशीर्वाद लेने के लिए कहते थे। उस समय वह इस बात का मतलब पूरी तरह नहीं समझ पाती थीं, लेकिन आज जब वह खुद अभिनय की दुनिया का हिस्सा हैं, तो उन्हें अपने पिता की वह बात गहराई से समझ आती है।

मीडिया से बातचीत में सोनाक्षी ने कहा, ''भगवान कृष्ण ने कई अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। वह बेटे भी थे, दोस्त भी, प्रेमी भी, मार्गदर्शक भी, रणनीतिकार और राजा भी, इन सभी भूमिकाओं के बीच उन्होंने कभी अपना असली स्वरूप नहीं खोया। मुझे लगता है कि एक अभिनेता के लिए भी यही बात बेहद खास है। अभिनय में कलाकार को कई तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं और हर किरदार की भावनाओं, दुनिया और सफर को जीना पड़ता है, लेकिन इन सबके बीच खुद को पहचानना भी जरूरी है। एक अभिनेता होने की यही एक सबसे खूबसूरत बात है कि वह अलग-अलग लोगों का किरदार निभाता है, उनकी भावनाओं और उनकी जिंदगी को महसूस करता है, लेकिन हर किरदार के पीछे कहीं न कहीं अपने असली रूप तक वापस आने का रास्ता भी खोजता है।''

सोनाक्षी ने कहा, ''मेरे लिए जन्माष्टमी बचपन की उन मीठी यादों को ताजा करती है, जब पूरा परिवार मिलकर भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाता था। घर में सजावट होती थी और भोग तैयार किया जाता था। परिवार के सदस्य लड्डू गोपाल को बहुत प्यार से सजाते थे। उनके लिए सुंदर और छोटे-छोटे कपड़े लाए जाते थे, फूलों से उन्हें सजाया जाता था और घर में खूबसूरत झांकियां तैयार की जाती थीं। मेरी मां भगवान कृष्ण के लिए खास भोग बनाती थीं, जिसमें खासतौर पर खीर शामिल होती थी। इसके साथ ही भगवान कृष्ण को उनका पसंदीदा माखन भी चढ़ाया जाता था।''

बिग बॉस सीजन 20 : काउबॉय लुक में नजर आए सलमान खान, पैपराजी को लगाई फटकार

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेता सलमान खान लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग-बॉस-20' में होस्ट के तौर पर वापसी के लिए तैयार हैं, जिसके लिए अभिनेता ने शो की शूटिंग शुरू दी है। इस दौरान अभिनेता पैपराजी से थोड़ा नाराज नजर आए। शूटिंग के लिए अभिनेता ने काउबॉय लुक अपनाया हुआ था। शो में जाने से पहले उन्होंने पैपराजी को पोज दिए और स्टेज से दूरी बनाने का निर्देश भी दिया।

हालांकि, उन्हें किस बात ने उकसाया यह अभी साफ नहीं है। सेट पर सलमान खान काउबॉय लुक में नजर आए। उन्होंने गहरे भूरे रंग की लेदर काउबॉय हैट, नेवी ब्लू टी-शर्ट और ऑलिव ग्रीन वेस्ट पहनी थी। इस लुक को उन्होंने डेनिम, सिल्वर बेल्ट और अपने ट्रेडमार्क फिरोजी ब्रेसलेट के साथ पूरा किया। सोलो पोज देने के बाद अभिनेता ने पैपराजी के कहने पर उनके साथ भी फोटो खिंचवाई।

हालांकि अभिनेता पैपराजी पर भड़कते हुए भी नजर आए। उन्होंने यह कहते हुए सुना गया, 'यह मेरा काम नहीं है और मुझे कैमरे के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।

क्लिप के आखिर में, जब पैपराजी उनसे पोज देने के लिए कहते रहे, तो एक्टर चिढ़े हुए दिखे और उन्होंने उसी कहा, 'फोटो, फोटो, फोटो।

बिग बॉस के नए सीजन की बात करें तो, यह हिंदी रियलिटी शो का 20वां एडिशन है, जिसमें सलमान होस्ट के तौर पर वापस आ रहे हैं। सीजन का प्रीमियर 6 सितंबर को होने वाला है।

जिन लोगों को नहीं पता, सलमान 2010 में अमिताभ बच्चन की जगह सीजन 4 के होस्ट बनने के बाद से ही बिग बॉस का चेहरा रहे हैं।

लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' के मुख्य और सबसे लंबे समय तक रहने वाले होस्ट सलमान खान हैं, जो आगामी सीजन 'बिग बॉस 20' को भी होस्ट कर रहे हैं। सलमान खान लगातार इस शो का मुख्य चेहरा बने हुए हैं।

हालांकि बीच में संजय दत्त (सीजन 5), फराह खान (विशेषांक/स्पिन-ऑफ) ने भी साथ या आंशिक रूप से होस्ट किया है।

भारत-रूस ने न्यायिक सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय बढ़ाने पर जताई सहमति

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और रूस ने न्यायिक क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आपसी समन्वय बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों ने पहले हुए समझौतों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कदमों पर भी चर्चा की। यह बातचीत भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और रूस के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव के बीच शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम के इतर हुई।

भारत में रूसी दूतावास ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा, '4 सितंबर को दोनों देशों के सर्वोच्च न्यायिक संस्थानों के प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रयासों के समन्वय और पहले किए गए समझौतों को मजबूत करने की दिशा में निरंतर काम जारी रखने पर सहमति बनी।'

क्रास्नोव ने कहा कि विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के सिद्धांतों पर आधारित भारत-रूस सहयोग को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच 'गर्मजोशी भरे व्यक्तिगत और मैत्रीपूर्ण संबंधों' से भी मजबूती मिलती है। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच पहले हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की सराहना की गई। रूसी पक्ष ने अगले दो वर्षों के लिए न्यायिक सहयोग के एक कार्यक्रम का मसौदा भी तैयार कर भारत को विचार के लिए सौंप दिया है। इसमें दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी कई पहलों को शामिल किया गया है। क्रास्नोव शुक्रवार को ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश फोरम में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। रूसी दूतावास के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान क्रास्नोव ब्रिक्स देशों के न्यायिक प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य कानूनी और न्यायिक सहयोग को मजबूत करना है। फोरम में न्याय व्यवस्था में एआई के इस्तेमाल पर भी विशेष चर्चा हो रही है। भारत का सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली में ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश फोरम की मेजबानी कर रहा है। यह आयोजन 4 सितंबर से शुरू हुआ और 6 सितंबर तक चलेगा।

फोरम में ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान न्याय वितरण, अंतरराष्ट्रीय विवाद समाधान, तकनीक और सतत विकास से जुड़े समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में 'करेक्ट द मैप' प्रस्ताव का भारत ने किया समर्थन

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को 'करेक्ट द मैप' प्रस्ताव पारित कर दिया। दुनिया के नक्शों में देशों और महाद्वीपों के वास्तविक आकार को अधिक सटीक तरीके से दर्शाने के उद्देश्य को भारी बहुमत से मंजूरी दी। पक्ष में 164 देशों ने मतदान किया, जबकि अमेरिका ने इसके विरोध में वोट किया और छह देश मतदान से दूर रहे। भारत ने कहा कि वो इस मुद्दे पर तकनीकी और पद्धतिगत रूप से तटस्थ रुख का समर्थक है।

भारत ने कहा कि इस समर्थन को किसी एक खास नक्शा प्रणाली, जैसे इक्वल-एरिया मैप प्रोजेक्शन्स, के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भारतीय राजनयिक रघु पुरी ने कहा, 'भारत का मानना है कि प्रस्ताव को समान क्षेत्रफल वाले नक्शा प्रोजेक्शन्स के व्यापक इस्तेमाल और विचार को बढ़ावा देने के रूप में समझा जाना चाहिए, न कि इक्वल अर्थ या किसी अन्य विशेष प्रोजेक्शन के समर्थन के तौर पर। उन्होंने कहा, 'अलग-अलग मैप प्रोजेक्शन का इस्तेमाल अलग-अलग भौगोलिक विशेषताओं जैसे आकार, दिशा या दूरी को बेहतर तरीके से दर्शाने के लिए किया जाता है। ऐसे में भारत इस मुद्दे पर तकनीकी और पद्धतिगत रूप से तटस्थ रुख का समर्थक है।

पुरी के अनुसार, जब उद्देश्य महाद्वीपों के वास्तविक सापेक्ष क्षेत्रफल को दिखाना हो, तब इक्वल एरिया अप्रोच उपयोगी हो सकता है। इससे नक्शों में भूमि के आकार को लेकर पैदा होने वाली दिक्कतों को कम किया जा सकता है। भारत ने इसी सिद्धांत के आधार पर प्रस्ताव का समर्थन किया है, लेकिन किसी एक कार्टोग्राफिक मेथेडोलॉजी या प्रोजेक्शन को अनिवार्य बनाने का समर्थन नहीं किया है।

अफ्रीकी देशों की अगुवाई में लाए गए इस प्रस्ताव का मकसद खास तौर पर अफ्रीका के आकार को दुनिया के नक्शों में अधिक वास्तविक रूप में दिखाना है।

संक्षिप्त खबर

उत्तर कोरिया इस महीने यूएन जनरल असेंबली में उप मंत्री भेज सकता है

विश्व केसरी

प्योंगयांग। इस साल की संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली की जनरल डिबेट 22-26 सितंबर और 28 सितंबर को होने वाली है। उत्तर कोरिया न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली में एक उप मंत्री स्तर का अधिकारी भेज सकता है। असेंबली में उप विदेश मंत्री किम सोन-ग्योंग भाषण दे सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सचिवालय द्वारा अपडेट की गई वक्ताओं की सूची के अनुसार, उत्तर कोरिया के एक उप मंत्री स्तर के अधिकारी 28 सितंबर को यूएन मुख्यालय में देश का प्रतिनिधित्व करने और भाषण देने वाले हैं। यह 81वीं यूएन जनरल असेंबली के उच्च-स्तर का आखिरी दिन है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया में कई उप विदेश मंत्री हैं, लेकिन किम, जो अंतरराष्ट्रीय संस्थान प्रभारी हैं, पिछले साल की तरह इसमें शामिल हो सकते हैं। पिछले साल, किम ने सात साल में पहली बार जनरल असेंबली में उत्तर कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। 2019 से 2024 तक, प्योंगयांग ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच 2019 हनोई बैठक के असफल रहने के बाद जनरल असेंबली में किसी उच्च स्तर के अधिकारी को नहीं भेजा।

सीरिया में बारूदी सुरंगों से बड़ा खतरा, संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। सीरिया में विस्फोटक हथियारों और बारूदी सुरंगों से लोगों की जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने इसको लेकर चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार को कहा कि विस्फोटकों से फैले प्रदूषण का असर सिर्फ लोगों के रहने की जगह पर ही नहीं, बल्कि उनके आने-जाने, काम करने और परिवार का पालन-पोषण करने के तरीके पर भी पड़ रहा है। ओसीएचए ने बताया, 'पिछले एक हफ्ते में सीरिया के छह प्रांतों में विस्फोटक हथियारों से जुड़ी एक दर्जन घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें छह बच्चे थे और 13 अन्य घायल हो गए। कार्यालय ने बताया कि सोमवार को डेयर एज-जोर प्रांत में एक लैंडमाइन की चपेट में एक नागरिक वाहन आ गया, जिसमें पांच बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य नागरिक घायल हो गए। रक्का प्रांत में सबसे ज्यादा धमाके दर्ज किए गए, जो उत्तरी सीरिया में युद्ध के बचे हुए विस्फोटकों के लगातार खतरे को दिखाता है। एक अन्य घटना में, मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी इदलिब प्रांत के बिन्निश शहर में गोला-बारूद से लदे एक वाहन में विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। सीरियाई अरब समाचार एजेंसी ने प्रांतीय आपातकालीन और आपदा प्रबंधन निदेशालय के हवाले से यह जानकारी दी। सीरियाई अरब समाचार एजेंसी के मुताबिक धमाके से शहर में कई और धमाके हुए।

पाकिस्तान का हर 16 में से एक बच्चा ऑनलाइन शोषण का शिकार : यूनिसेफ

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। यूनिसेफ ने पाकिस्तान में बच्चों के ऑनलाइन शोषण को लेकर फिक्र जाहिर की है। संस्थान की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 12-17 साल की उम्र के लगभग 15 लाख इंटरनेट यूजर एक साल में टेक्नोलॉजी के जरिए होने यौन शोषण और दुर्व्यवहार का शिकार हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक 16 में से करीब एक बच्चे ने इस ज्यादती को झेला है।

ये नतीजे 'डिसरप्टिंग हार्म इन पाकिस्तान: एविडेंस ऑन टेक्नोलॉजी-फैसिलिटेटेड चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज' (पाकिस्तान में नुकसान रोकना: टेक्नोलॉजी से बच्चों का यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मिले प्रमाण) नाम की हालिया रिपोर्ट से मिले हैं। इसे यूनिसेफ के ऑफिस ऑफ स्ट्रैटेजी एंड एविडेंस—इनोसेंटी, ईसीपीएटी इंटरनेशनल और इंटरपोल ने मिलकर तैयार किया था और इसके लिए 'सेफ ऑनलाइन' से फंडिंग मिली थी।

यूनिसेफ के अनुसार, यह स्टडी 12-17 साल के बच्चों और उनके माता-पिता और देखभाल करने वालों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि घरेलू सर्वे और फ्रंटलाइन व न्याय क्षेत्र के पेशेवरों के साथ इंटरव्यू पर आधारित थी। इसमें पाकिस्तान में टेक्नोलॉजी के जरिए बच्चों के यौन शोषण और कदाचार के पैमाने और प्रकृति की जांच करने के लिए संबंधित कानूनों और नीतियों का भी विश्लेषण किया गया। इस रिसर्च में बच्चों के अनुभवों, उन हालात जिनमें दुर्व्यवहार हो सकता है, और मदद व सुरक्षा पाने में उन्हें आने वाली बाधाओं पर रोशनी डाली गई।

दर्ज किए गए अनुचित आचरण के तरीकों में 'अनचाही यौन तस्वीरें या बातचीत, निजी अंगों की तस्वीरें शेयर करने की मांग, बच्चों की मर्जी के बिना उनकी तस्वीरें शेयर करना, ऐसी तस्वीरों या यौन गतिविधियों से जुड़ी धमकियां या ब्लैकमेलिंग, और नकली तस्वीरें या वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल' शामिल है।

जापान: अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध बढ़ा, स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी

टोक्यो। बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से थोड़े फिक्रमंद जापान को 11 साल बाद राहत भरी खबर मिली। ये खुश खबरी जनसंख्या वृद्धि को लेकर थी। इसमें विदेशी मूल के माता-पिता से जन्मे बच्चे भी शामिल बताए गए। इस बीच एक नई स्टडी ने विदेशियों के प्रति बढ़ती नाराजगी की ओर इशारा किया है। जापान में अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने को लेकर लोगों के रुख में बड़ा बदलाव सामने आया है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की ओर से किए गए एक पैनल अध्ययन के अनुसार, इस साल 56.3 फीसदी लोगों ने जापान में अधिक विदेशी निवासियों को स्वीकार करने का विरोध किया। यह आंकड़ा 2024 की तुलना में 20.7 प्रतिशत अंक अधिक है। क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि अध्ययन की खास बात यह है कि विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवा वर्ग में भी इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों को लगता है कि जापानी समाज के भविष्य के लिए उम्मीद कम है, उनमें अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध अपेक्षाकृत ज्यादा है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के प्रोफेसर शिन अरिता ने कहा कि विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने के मुद्दे पर नकारात्मक चर्चाओं की बढ़ती मौजूदगी, सामाजिक चिंता और असंतोष इस बदलाव के पीछे एक कारण हो सकता है। उनके अनुसार, समाज में मौजूद बेचैनी और असुरक्षा की भावना भी लोगों के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती है। यह अध्ययन एक पैनल सर्वेक्षण के तहत किया गया।

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम: ईरानी मुख्य न्यायाधीश ने 'निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जरूरत' पर दिया बल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान के चीफ जस्टिस गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई ने शनिवार को ब्रिक्स सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन को मजबूत करने और किसी भी देश के खिलाफ आक्रामकता, राष्ट्रीय संप्रभुता के उल्लंघन तथा अंतरराष्ट्रीय अपराधों के खिलाफ दृढ़ रुख अपनाने का आह्वान किया।

नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के मुख्य न्यायाधीशों की बैठक (ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए एजेई ने इस आयोजन की मेजबानी के लिए भारत सरकार और भारतीय न्यायपालिका का आभार जताया। उनके विचारों को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने साझा किया। फोरम में उन्होंने कहा, 'दुनिया को ऐसे निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें सभी देशों को समान माना जाए और उनकी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो।'

एजेई ने कहा, 'ब्रिक्स उभरती वैश्विक व्यवस्था को आकार देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें कोई भी शक्ति खुद को कानून से ऊपर न समझे। मैं ब्रिक्स से कानून के पक्ष में एकजुट होकर खड़े होने की अपील करता हूं। ईरानी न्यायपालिका प्रमुख ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन तथा गैरकानूनी बताया। उन्होंने दावा किया, ' हमले के पहले ही दिन मिनाब के एक स्कूल में 168 स्कूली बच्चों समेत बड़ी संख्या में लोग मारे गए। अस्पतालों, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों, रिहायशी इलाकों और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले किए गए जो निंदनीय है।' एजेई ने इन कार्रवाइयों को युद्ध अपराध का स्पष्ट उदाहरण बताया।

भारत-किरिबाती साझेदारी को मिली नई मजबूती, तरावा में वर्जिन कोकोनट ऑयल परियोजना शुरू

विश्व केसरी

साउथ तरावा (किरिबाती)। भारत और प्रशांत द्वीपीय देश किरिबाती के बीच साझेदारी को नई दिशा देते हुए तरावा में 'वर्जिन कोकोनट ऑयल' (वीसीओ) प्रोजेक्ट शुरू किया गया। परियोजना का उद्देश्य किरिबाती के प्रचुर नारियल संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए अवसर पैदा करना है।

फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग के अनुसार, इस परियोजना को इंडिया-यूएन डेवलपमेंट पार्टनरशिप फंड से 9 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता मिली है और इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) लागू कर रहा है।

भारत की सहायता से किरिबाती के नोनौती और तेराइना द्वीपों में वर्जिन कोकोनट ऑयल प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की सुविधा भी दी जाएगी।

भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'यह पहल किरिबाती के नारियल संसाधनों को अधिक मूल्य वाले उत्पादों में बदलने में मदद करेगी। इससे किसानों, महिला सहकारी समितियों और ग्रामीण समुदायों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। ये पहल भारत के दक्षिण-दक्षिण सहयोग के प्रति समर्पण को दर्शाती है। ' परियोजना की लॉन्चिंग समारोह में किरिबाती के राष्ट्रपति तानेती मामाउ, सरकार के वरिष्ठ नेता, यूएनडीपी के प्रतिनिधि, उद्योग जगत से जुड़े लोग और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इससे किरिबाती में सतत आर्थिक विकास को लेकर साझा प्रतिबद्धता का संकेत मिला।

डीआर कांगो ने 180 दिन का इबोला रिस्पॉन्स प्लान लॉन्च किया, 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर फंड की मांग

विश्व केसरी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और उसके सहयोगियों ने इबोला महामारी के खिलाफ चलाए जा रहे कैंपेन को और तेज करने के लिए एक अपडेटेड 180-दिन का मल्टीसेक्टोरल रिस्पॉन्स प्लान लॉन्च किया है। इसके लिए 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग का अनुमान लगाया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और दूसरे साझीदारों के सहयोग से, इस प्लान का मकसद अगले छह महीनों में रिस्पॉन्स के लिए ऑपरेशनल रोडमैप के तौर पर काम करना था। अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रिय कार्यालय के मुताबिक, 2 सितंबर तक बुंडीबुग्यो वायरस की वजह से फैले आउटब्रेक के 6,342 मामले सामने आए थे और 3,072 मौतें हुई थीं। यह छह प्रांतों के 60 हेल्थ जोन में फैल गया है।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्वास्थ्य विभाग इस बात से खास तौर पर परेशान हैं कि ज्यादातर मौतें समुदाय में हो रही हैं। अक्सर उन लोगों की मौत हो रही है जिन्हें पहले कॉन्टैक्ट के तौर पर पहचाना नहीं गया था और जो मरने से पहले स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचे थे। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ की कार्यकारी प्रतिनिधि ऐनी एंसिया ने कहा, 'हर मामला जो बहुत देर से पता चलता है, हर कॉन्टैक्ट छूट जाता है, और रिसोर्स जुटाने में हर देरी से जानें जाती हैं।

सूडान के साउथ कोर्डोफान में दो अलग-अलग हमलों में 26 लोगों की मौत

विश्व केसरी

खार्तूम। सूडान के साउथ कोर्डोफान राज्य में दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 26 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए हैं।

एक वॉलंटियर ग्रुप 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक बयान में कहा कि गुरुवार दोपहर 'सूडान पीपल्स लिबरेशन मूवमेंट-नॉर्थ' (एसपीएलएम-एन) की सेनाओं ने कौडा के दक्षिण और पश्चिम में स्थित डेबी और लुवैरी पर हमला किया। एसपीएलएम-एन, पैरामिलिट्री 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आरएसएफ) की सहयोगी है। इस हमले में महिलाओं और बच्चों समेत 21 से ज़्यादा लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

नेटवर्क ने एक अलग बयान में कहा कि शुक्रवार तड़के एक और घटना में एसपीएलएम-एन की सेनाओं की गोलाबारी की चपेट में आने से डिलिंग शहर में एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटवर्क ने डेबी और लुवैरी पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे अगस्त के आखिर में हुए सीजफायर समझौते का उल्लंघन बताया और एसपीएलएम-एन पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

डेबी के एक ग्रामीण अस्पताल के मेडिकल सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि अस्पताल में 20 से ज़्यादा शव और 11 घायल लोग लाए गए हैं, जबकि मानवीय हालात बिगड़ने के डर से आम लोग इलाका छोड़कर भाग रहे हैं। डिलिंग में एक चश्मदीद ने सिन्हुआ को बताया कि रिहायशी इलाकों में तोप के गोले गिरे, जिससे लगभग पांच आम नागरिकों की मौत हो गई।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान : शिक्षक राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव : मोक्ष प्रधान

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। शिक्षक दिवस के अवसर पर बसना विधानसभा क्षेत्र में गुरुजनों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने शासकीय स्कूल सलडीह, कटंगतराई, शंकरपुर एवं नवागांव पहुंचकर शिक्षकों का सम्मान किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान विद्यालय परिवार एवं उपस्थित विद्यार्थियों ने भी शिक्षक दिवस के महत्व को समझते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट किया।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने शिक्षकों को पुष्पगुच्छ एवं सम्मान के साथ अभिनंदन करते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार, चरित्र और भविष्य का निर्माण करते हैं। एक विद्यार्थी के जीवन में माता-पिता के बाद शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाते हैं और उन्हें समाज एवं राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की महान शिक्षा परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। आज हम जिस समाज और राष्ट्र की कल्पना करते हैं, उसकी मजबूत नींव विद्यालयों में ही तैयार होती है। बच्चों के सपनों को आकार देने और उन्हें सफलता की राह दिखाने में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है। इसलिए शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, आभार और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस अवसर पर मोक्ष कुमार प्रधान ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन एक महान दार्शनिक, शिक्षक एवं शिक्षाविद थे, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके जन्मदिवस 5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के संपूर्ण विकास और समाज के उत्थान का साधन माना। उनके विचारों से हमें यह सीख मिलती है कि एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पढ़ाता नहीं, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला भी सिखाता है। जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि विद्यालय में शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता अत्यंत पवित्र होता है। शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने का कार्य करते हैं। ग्रामीण अंचल के शासकीय विद्यालयों में सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षक जिस समर्पण और मेहनत के साथ बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है उन्हें बेहतर शिक्षा, उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने की। शिक्षक इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करें।

विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन का दिया संदेश

इस दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए उनके मार्गदर्शन का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल देश और समाज का नेतृत्व करेगा। इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अपने चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस समाज में शिक्षक का सम्मान होता है, वहां शिक्षा और संस्कार दोनों मजबूत होते हैं। शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, शिक्षा और भविष्य का सम्मान है।

लोंहडीपुर विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। विकास खण्ड बसना के शासकीय प्राथमिक शाला लोहड़ीपुर में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया जिसमें अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। उसके बाद अतिथियों का स्वागत सम्मान चंदन बंधन और गुलदस्ता से शाला परिवार के तरफ से स्वागत सम्मान किया गया । तत्पश्चात शैलेन्द्र कुमार चौहान जिला उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य मानस संगठन जिला महासमुंद द्वारा डॉ सर्व पल्ली राधा कृष्णन जी के जीवनी के बारे में विस्तार से संबोधन किया गया। उसके बाद आत्माराम सिदार ने भी अपने उद्बोधन में अपने कम शब्दों से अपना विचार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में गोरेलाल मानिकपुरी द्वारा बच्चों और शिक्षक के बारे में बताया गया।

इस शिक्षक दिवस सम्मान समारोह में पुष्पलता साव प्रधान पाठक, प्रदीप कुमार साव सहायक शिक्षक, लोरिकबाई चौहान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता (शिक्षिका) , सुमित्रा मानिकपुरी स्वयं सेवक शिक्षिका का शाल एवं श्रीफल से स्वागत सम्मान छत्तीसगढ़ राज्य मानस संगठन के पदाधिकारीयों के द्वारा बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार साव सहायक शिक्षक के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उत्तम निषाद, मिथिला बाई बाघ , श्रीमती रायमोती निषाद एवं स्कूल के छात्र छात्राएं बहुत संख्या में उपस्थित रहे।

सुरजागढ़ माइंस के भारी वाहनों से बदहाल पखांजूर 'रॉयल्टी महाराष्ट्र की, धूल खाए छत्तीसगढ़'

आक्रोशित ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। महाराष्ट्र स्थित सुरजागढ़ माइंस से आ-जा रहे भारी वाहनों के कारण बदहाल हो चुकी सड़कों और आए दिन की समस्याओं को लेकर पखांजूर में स्थानीय ग्रामीणों और जन-प्रतिनिधियों का गुस्सा फूट पड़ा है। क्षेत्रवासियों ने सड़कों की दुर्दशा और भारी यातायात के विरोध में मोर्चा खोलते हुए उग्र धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

धरना स्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने बेहद तीखे लहजे में अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा, 'सुरजागढ़ माइंस की रॉयल्टी और राजस्व महाराष्ट्र सरकार डकार रही है, जबकि इसके कारण उड़ने वाली धूल, जर्जर सड़कें और जानलेवा हादसे छत्तीसगढ़ के पखांजूर क्षेत्र के लोग सहने को मजबूर हैं।'

सड़कें बनीं गड्ढों का जाल, हादसों का बढ़ा खतरा - स्थानीय लोगों का आरोप है कि माइंस से ओवरलोड होकर गुजरने वाले दर्जनों भारी ट्रकों और ट्रेलरों के कारण सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। सड़क जगह-जगह से उखड़ गई है और बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। इससे पैदल यात्रियों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों का चलना दूभर हो गया है। धूल के गुबार से आसपास के गांवों में सांस और आंखों से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है।

शिक्षक दिवस पर एसडीएम राकेश साहू ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। शिक्षक दिवस के अवसर पर आज स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कोरिया के एसडीएम राकेश साहू ने एकेडमी के छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान साहू ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन एवं आत्मविश्वास से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उनके प्रेरणादायी संबोधन से छात्र-छात्राओं में उत्साह का संचार हुआ। उल्लेखनीय है कि भानुप्रतापपुर निवासी राकेश साहू स्वयं शिक्षक के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उन्होंने शिक्षक दिवस के अवसर को और अधिक सार्थक बनाया।

गुम हुआ मोबाइल अंतागढ़ पुलिस ने खोजकर मालिक को सौंपा

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। ग्राम सुरेली निवासी रोशन कुमार कोमरा, पिता स्व. शाम लाल कोमरा का लावा कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन 16 अगस्त 2026 को गुम हो गया था। मोबाइल गुम होने के बाद उन्होंने थाना अंतागढ़ पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के आधार पर अंतागढ़ पुलिस ने मोबाइल की तलाश शुरू की।

पुलिस के प्रयासों से गुम हुआ मोबाइल बरामद कर लिया गया। 3 सितंबर 2026 को अंतागढ़ पुलिस द्वारा मोबाइल उसके वास्तविक मालिक रोशन कुमार कोमरा को सुपुर्द कर दिया गया। लंबे समय बाद मोबाइल वापस मिलने पर रोशन कुमार ने खुशी जाहिर की। उन्होंने अंतागढ़ पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मोबाइल की बरामदगी कर उसे वापस दिलाने के लिए पुलिस के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की और धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्य के सर्वोच्च शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित बोधन साहू ने बढ़ाया चारामा एवं कांकेर जिला का मान

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकीय कार्य को पूरे निष्ठा एवं समर्पित भाव से किया जाए तो निश्चित ही पहचान बन जाता है! ऐसे ही कहानी शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिनौरी विकासखंड चारामा में पदस्थ शिक्षक बोधन साहू की है। 05 सितंबर को शिक्षक दिवस के दिन राजभवन रायपुर में राज्यपाल महामहिम रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव के द्वारा सम्मानित किया गया!

शिक्षा के सफर में संघर्ष से सफलता की कहानी - शिक्षक बोधन साहू का प्रथम नियुक्ति वर्ष 2005 में शासकीय प्राथमिक शाला मुड़खुसरा बांधियापारा वि.ख.- चारामा, जिला कांकेर (छ.ग.)में हुआ , प्राथमिक शिक्षक के रूप में 17 वर्ष तक काम किया, फिर शिक्षक के पद पर पदोन्नति वर्ष 2022 में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चिनौरी चारामा में हुआ और आज भी पदस्थ है द्य शिक्षक ने शिक्षकीय कार्य पूरी निष्ठा के साथ बच्चों के बीच रहकर सीखने सीखाने की भाव से शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग करके किया तथा खेल खेल में शिक्षा प्रदान की है एवं नवाचार पद्धति से अध्यापन कार्य किया।

अल्पवर्षा से धान की फसल पर दोहरी मार, कीट-रोग का बढ़ा प्रकोप

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल। खरीफ सीजन में इस बार क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम बारिश होने से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। मानसून की शुरुआत में पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण धान की बुआई और रोपाई प्रभावित हुई, वहीं अब बारिश की कमी के चलते खेतों में नमी कम होने से फसल पर कीट एवं रोगों का प्रकोप दिखाई देने लगा है। इससे किसानों को फसल बचाने के लिए अतिरिक्त मेहनत और खर्च करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के कई खेतों में खरपतवार के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कीट दिखाई दे रहे हैं। किसान खरपतवार नियंत्रण के लिए आवश्यक दवाओं का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन खेतों में पानी की कमी के कारण फसल का विकास प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने और खेतों में नमी का संतुलन बिगड़ने से माहू समेत अन्य कीट एवं रोग भी देखने को मिल रहे हैं।किसानों परदेसी राम मड़ावी, रेखलाल विश्वकर्मा, प्रभु राम मड़ावी, रविंद्र मड़ावी सहित अन्य किसानों ने बताया कि बारिश कम होने से खेतों में पर्याप्त नमी नहीं बन पा रही है।

ब्रह्माकुमारीज में जन्माष्टमी मनाई गई

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जन्माष्टमी के पावन अवसर की संध्या 7 बजे से पंडरीपानी कांकेर में स्थित ब्रह्मकुमारीज प्रांगण में हर वर्ष की भांति धूमधाम से, कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई, राधे कृष्ण की सुंदर झांकी , सजाई गई, आकर्षण का केंद्र बिंदु बाल कृष्ण के रूप में ढाई वर्ष की बच्ची आराध्या रही, जिसने अपने बाल चरित्र से, अतिथियों सहित सबका मन मोह लिया, उसने अपने नन्हे हाथों से, मटके से निकाल कर दही खाए, और खिलाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विशेष अजय पप्पू मोटवानी, को उनके समाज सेवा के उत्कृष्ट कार्य के लिए बॉम्बे में मिले अवार्ड, के सम्मान लिए आमंत्रित किया गया था, विशिष्ट अतिथि के रूप में कांकेर थाना के पुलिस सब इंस्पेक्टर रामेश्वर चतुर्वेदी उपस्थित थे, उनके सम्मान के पश्चात , संचालिका बीके रामा दीदी ने, सबको बधाई देते हुए, इस संदर्भ में प्रकाश डालते हुए कहा, हमें श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी मूल्यवान बनाना है, अवगुण रहित बनना है, उन्होंने बताया, स्वयं परमपिता परमात्मा, सत्य गीता ज्ञात और राजयोग के माध्यम से मानव को वर्तमान में देवतुल्य बना रहे हैं, और हर कोई बन सकता है।

अजय पप्पू मोटवानी नेअपने सारगर्भित विचार, रखते हुए कहा मेरा जीवन जन सेवा के लिए समर्पित है, और शिवबाबा की कृपा से सालों से हम यह निस्वार्थ सेवा कार्य कर रहे है, और करते रहेंगे।

रामेश्वर चतुर्वेदी ने कहा हम हमेशा बिजी रहते हैं, आज कार्यक्रम में उपस्थिति भी ऊपर वाले की मर्जी से हुई है, उन्होंने अपने जीवन के कई ऐसे घटनाओं का जिक्र किया, जिसमें, वे हमलों में बाल - बाल बचे, जाको राखें साइयाँ मार सके न कोय।

सबको बधाई दिया तदपश्चात सभी अतिथियों ने बाल गोपाल बच्चो के साथ मिलकर साथ मिलकर केक कटिंग किया, रामनरायल पटेल, और अमृता सोनी भजन , प्रस्तुत किये,, मंच संचालन सत्यप्रकाश शर्मा ने किया इस अवसर संस्था के सदस्यों सहित सहयोग संस्था, के सदस्य उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी (कांकेर) के शिक्षा प्रकोष्ठ ने मनाया शिक्षक दिवस

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जिला कांकेर के शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा चारामा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर शिक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस गरिमामय अवसर पर प्रमुख रूप से भागीराम साहू, नंद कुमार ओझा , ओम प्रकाश साहू, रमा शंकर श्रीवास्तव, बंशी सेन, चमन लाल सिन्हा, कार्यकर्ता एवं विद्यालय परिवार सहित शिक्षा प्रकोष्ठ के अन्य उपस्थित रहा।

एआई बूम से 2025 में वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड 15 ट्रिलियन डॉलर के पार

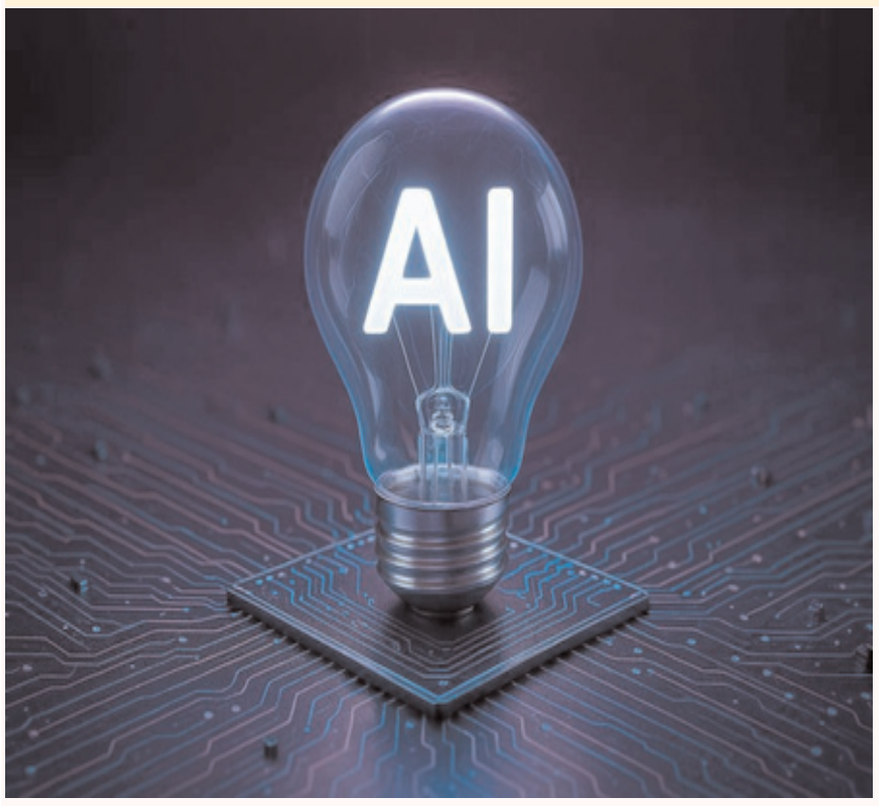

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आई तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत बढ़त है, जिससे अरबपतियों की संख्या के साथ-साथ उनकी संपत्ति में भी तेज वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या 2025 के दौरान 8.2 प्रतिशत बढ़कर 3,795 हो गई, जो पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े निवेशों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

अल्ट्राटा ने कहा कि अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में एआई बूम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने भी उनकी संपत्ति बढ़ाने में मदद की। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलॉजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है।

रिपोर्ट में 150 सूचीबद्ध कंपनियों की पहचान की गई, जिन्होंने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिछले पांच वर्षों में एआई में कम से कम 3 करोड़ डॉलर का निवेश करने वाली कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिन्होंने इस तरह का निवेश नहीं किया था।

इस दौरान अल्ट्रा-रिच लोगों के बीच संपत्ति का केंद्रीकरण भी तेजी से बढ़ा है। अल्ट्राटा ने 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले 29 लोगों की पहचान की है और उन्हें 'सुपर अरबपति' कहा है।

इनकी कुल संपत्ति 4.1 ट्रिलियन डॉलर थी, जो दुनियाभर के अरबपतियों की कुल संपत्ति का करीब 27 प्रतिशत है।

पिछले एक दशक में संपत्ति का यह केंद्रीकरण काफी बढ़ा है। 2017 में सिर्फ 10 लोगों के पास 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति थी और उनकी संयुक्त संपत्ति वैश्विक अरबपतियों की कुल संपत्ति का केवल 7.2 प्रतिशत थी।

अल्ट्राटा में थॉट लीडरशिप और एनालिटिक्स की प्रमुख माया इम्बर्ग ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में से कई की संपत्ति पर भविष्य में एआई सेक्टर में होने वाले घटनाक्रम का प्रभाव और अधिक एक साथ देखने को मिल सकता है।

2025 में अरबपतियों की संख्या के मामले में उत्तरी अमेरिका सबसे आगे रहा। इस क्षेत्र में अरबपतियों की संख्या 11.6 प्रतिशत बढ़कर 1,337 हो गई। निजी और शेयर बाजार में सूचीबद्ध दोनों तरह के टेक्नोलॉजी बाजारों में अमेरिका की मजबूत स्थिति ने इस वृद्धि में योगदान दिया।

यूरोप में 1,081 अरबपति थे, जहां अरबपतियों की संख्या में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, एशिया में 881 अरबपति रहे, जिनकी संख्या साल के दौरान 6.5 प्रतिशत बढ़ी।

विदेश में जन्मे लोगों की हिस्सेदारी लंदन के अरबपतियों में करीब 60 प्रतिशत, पूरे ब्रिटेन में 48 प्रतिशत, सैन फ्रांसिस्को में 41 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 19 प्रतिशत है।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

राज्यपाल ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने शुक्रवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अपने सबसे भारी अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट, ईओएस-05, को सफलतापूर्वक लॉन्च करने और उसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करने की बड़ी उपलब्धि हासिल की।

राज्यपाल ने कहा कि यह मिशन भारत के लिए अपना पहला डेडिकेटेड इमेजिंग सैटेलाइट हासिल करने जैसा है, जो लगातार निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। इससे इसरो की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए गर्व का पल बताया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च और ईओएस-05 को उसकी तय कक्षा (ऑर्बिट) में सही ढंग से स्थापित करने के लिए इसरो को बधाई। यह शानदार उपलब्धि भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं की ताकत और हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के समर्पण को दिखाती है। भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए इसरो की पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस लॉन्च को पृथ्वी से सितारों तक भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर बताया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पवन कल्याण ने कहा, 'भारत लगातार नई संभावनाएं तलाश रहा है। जीएसएलवी-एफ17 मिशन की सफलता और ईओएस-05 को उसकी तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करना इसरो के लिए एक और शानदार उपलब्धि है। ईओएस-05 जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, जो हमारी पृथ्वी की निगरानी करने की क्षमताओं को मजबूत करता है। इसरो के शानदार वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और इस ऐतिहासिक मिशन में शामिल सभी लोगों को हार्दिक बधाई।

पवन कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयां छू रहा है, जिससे हमारे युवाओं को प्रेरणा मिल रही है और दुनिया के प्रमुख अंतरिक्ष देशों के बीच हमारी स्थिति मजबूत हो रही है।

छोटी सी लौंग सेहत के लिए बड़े काम की, दांत दर्द से लेकर मुंह की बदबू तक में देती है राहत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। लौंग भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाला ऐसा मसाला है, जो भले ही साइज में छोटा दिखे, लेकिन इसमें कई तरह के प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं। चाय से लेकर सब्जी तक, लौंग का इस्तेमाल स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है। सर्दी-जुकाम या दांत में दर्द होने पर भी लोग अक्सर लौंग का इस्तेमाल करते हैं।

वैज्ञानिक रिसर्च की मानें, तो इसमें मौजूद कई ऐसे तत्व है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। खासतौर पर इसमें मौजूद यूजेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स और दूसरे पौधों से मिलने वाले रसायन इसके खास गुण हैं।

लौंग का सबसे ज्यादा फायदा दांत के दर्द में माना जाता है। लौंग में मौजूद यूजेनॉल दर्द को कुछ समय के लिए कम करने में मदद करता है। यही वजह है कि दांतों के इलाज में भी यूजेनॉल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर कभी हल्का दांत दर्द हो तो लोग लौंग को दांत के पास रखने का घरेलू तरीका अपनाते हैं। इससे कुछ समय के लिए आराम मिलता है। लेकिन अगर दर्द

ज्यादा है, मसूड़ों में सूजन है या दांत में इन्फेक्शन है, तो डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

लौंग मुंह की सफाई के लिए भी फायदेमंद होती है। इसमें ऐसे गुण पाए जाते हैं जो कुछ तरह के बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। खाना खाने के बाद एक लौंग चबाने से मुंह में ताजगी बनी रहती है। हालांकि, लौंग चबाना ब्रश करने या दांतों की सही सफाई का विकल्प नहीं है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। दरअसल, हमारे शरीर में कुछ ऐसे कण बनते हैं जो ज्यादा होने पर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट इनसे शरीर को बचाने में मदद करते हैं। लौंग में मौजूद यूजेनॉल और दूसरे प्राकृतिक तत्व इस काम में मदद करते हैं। इसी कारण लौंग को शरीर के लिए फायदेमंद मसालों में गिना जाता है। लौंग में सूजन कम करने वाले गुण भी पाए गए हैं। शरीर में चोट या किसी परेशानी के कारण सूजन होना आम बात है। रिसर्च में लौंग के कुछ तत्वों ने ऐसी प्रक्रियाओं को कम करने की क्षमता दिखाई है, जिनकी वजह से शरीर में सूजन होती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि किसी बीमारी या ज्यादा सूजन का इलाज सिर्फ लौंग से किया जा सकता है। इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी होती है। लौंग और ब्लड शुगर को लेकर भी वैज्ञानिकों ने रिसर्च की है। एक रिसर्च में 13 स्वस्थ और प्री-डायबिटिक लोगों को 30 दिनों तक रोजाना 250 मिलीग्राम पानी में घुलने वाला लौंग का पॉलीफेनॉल एक्सट्रैक्ट दिया गया। रिसर्च में खाने से पहले और खाने के बाद ब्लड ग्लूकोज में कमी देखने को मिली।

शरीर को लचीला और मन को शांत बनाता है हलासन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। व्यस्त दिनचर्या और तनाव के कारण रीढ़ की हड्डी और पाचन संबंधित समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में योगासन और सही खान-पान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बेहतर उपाय हो सकता है। योग के विभिन्न आसनों में 'हलासन' कई समस्याओं का एक अचूक और प्राकृतिक समाधान है।

'हलासन', हल शब्द से लिया गया है। हल यानी खेती के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला औजार, जैसे की हर खेत को बीज बोने के लिए तैयार करता है, ठीक उसी तरह हलासन शरीर और दिमाग को गहरी कायाकल्प के लिए तैयार करता है।

आयुष मंत्रालय ने हलासन को उन्नत योगासन बताया है। उनके अनुसार, हलासन के नियमित अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में व्यापक सुधार देखने को मिलता है। यह आसन गर्दन, कंधे, पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

इसी के साथ ही, यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करने, पाचन में सुधार करने और तनाव व थकान को कम करने में अत्यधिक फायदेमंद होता है।

इसे नियमित रूप से करने पर त्वचा में चमक देखने को मिल सकता हैं। हलासन में शरीर का निचला हिस्सा ऊपर की ओर जाता है और पैरों को सिर के पीछे जमीन पर टिकाने की कोशिश की जाती है। इस स्थिति में शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बदल जाता है, जो चेहरे के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

यह आसन दिखने में थोड़ा कठिन भले ही होता है, लेकिन इसे करना बहुत आसान होता है। यह न सिर्फ शरीर में लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि पाचन, रीढ़ की हड्डी और तनाव जैसी कई समस्याओं में भी फायदेमंद माना जाता है। इसी के साथ ही, यह थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करने और शरीर के चक्रों को संतुलित करने के लिए जाना जाता है।

सही तकनीक और सावधानी के साथ किया गया हलासन शरीर को नवजीवन और आंतरिक ऊर्जा प्रदान करता है।

यह आसन करने में बेहद आसान हैं और नियमित रूप से करने पर शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि, गर्भवती महिलाओं, हाई ब्लड प्रेशर या गर्दन, पीठ दर्द की समस्या वाले व्यक्तियों को यह आसन करने से बचना चाहिए। शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

झारखंडः गढ़वा में डेंगू ने दी दस्तक, एक व्यापारी की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

विश्व केसरी

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले में डेंगू ने दस्तक दे दी है। जिले में अब तक डेंगू से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, जबकि एक मरीज ठीक होकर घर लौट चुका है। डेंगू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है और इससे निपटने के लिए सदर अस्पताल में 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी तैयार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले दस दिनों में गढ़वा जिले में डेंगू के कई मरीजों में लक्षण पाए गए हैं, जिनमें से दो मामले सामने आए हैं। इनमें जिले के एक बड़े व्यवसायी की डेंगू जैसी बीमारी की चपेट में आने से मौत हो गई। हालांकि उस मरीज का इलाज सरकारी अस्पताल में नहीं कराया गया था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि की है कि उस व्यवसायी की मौत डेंगू से ही हुई थी।

वहीं दूसरी ओर, एक और मरीज में डेंगू के लक्षण मिलने पर उसका इलाज कर उसे ठीक करके घर भेज दिया गया है। जिले में डेंगू के मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

इस मामले पर गढ़वा के सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी ने कहा, 'यह बहुत दुख की बात है कि एक व्यक्ति की मौत डेंगू से हुई है।

उन्होंने हमारे किसी भी सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं कराया, वे सीधे डालटनगंज (अब आधिकारिक रूप से मेदिनीनगर) चले गए थे। हमारे जिले में जो जांच हुई है, उसमें केवल एक-दो जांच ही डेंगू के लिए पॉजिटिव आई हैं।

सिविल सर्जन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यह समय और मौसम दोनों ही डेंगू का है, इसलिए लोगों को इससे बचने के लिए अपने घरों के आसपास पानी नहीं जमने देना चाहिए और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जिले में एक-दो छिटपुट केस आए थे, जिन्हें ठीक कर दिया गया है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है और हर परिस्थिति के लिए तैयार है।

जम्मू-कश्मीर एफडीए ने घी के 10 बैचों की बिक्री, भंडारण और वितरण पर रोक लगाई

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने रविवार को घी के 10 गैर-मानक ब्रांडों की बिक्री, भंडारण और वितरण पर रोक लगा दी।

जम्मू-कश्मीर एफडीए द्वारा जारी एक आदेश में केंद्र शासित प्रदेश में घी के 10 चिन्हित ब्रांडों/बैचों की बिक्री, भंडारण, वितरण और प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। एफडीए ने ये एक्शन तब लिया, जब प्रयोगशाला विश्लेषण में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले, असुरक्षित और गलत तरीके से ब्रांडेड पाए गए।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत की गई है।

गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला के अधिसूचित खाद्य विश्लेषक और कश्मीर स्थित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है।

प्रतिबंधित उत्पादों में डेयरी मोहन, अपना डेयरी मिल्क, मिल्क बाइट, नंदनी, शाही ताज, दावत फ्रेश, नंद कृष्णा, वंदू, डेयरी मिल्क और मोहन डेयरी शामिल हैं।

जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों, जिनमें अनंतनाग, शांगस, लारनू, बिजबेहरा, सांबा, कठुआ, जम्मू, ट्राल और पंपोर शामिल हैं, से एकत्र किए गए नमूनों में प्रभावित बैचों का पता चला।

जिन उत्पादों में असामान्यता पाई गई उनमें डेयरी मोहन देसी घी (बैच संख्या 5), अपना डेयरी मिल्क देसी घी (बैच संख्या डीएम-6), मिल्क बाइट काऊ घी (बैच संख्या 137), नंदनी देसी घी (बैच संख्या एनडी-28), शाही ताज देसी घी (बैच संख्या 134), दावत फ्रेश (बैच संख्या वीटी09), नंद कृष्णा काऊ घी (बैच संख्या पीसी-05-26), वंदू काऊ घी (बैच संख्या डी143), डेयरी मिल्क देसी घी (बैच संख्या ओएम12), और मोहन डेयरी घी (बैच संख्या 6) शामिल हैं।

तमिलनाडु में डेंगू और स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़े, डेंगू के 13,573 मामले सामने आए और नौ लोगों की मौत

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले साल की तुलना में डेंगू और स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसे देखते हुए डॉक्टर अधिक सावधानी बरतने और बचाव के कड़े उपाय करने की सलाह दे रहे हैं।

जन स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि 1 जनवरी से 30 अगस्त 2026 के बीच राज्य भर में डेंगू के 13,573 मामले सामने आए और नौ लोगों की मौत हुई।

हालांकि मौत की दर अभी भी

काफी कम है, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स जुलाई और अगस्त के दौरान संक्रमण के मामलों में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी को लेकर चिंतित हैं।

जनवरी में डेंगू के 1,722, फरवरी में 1,322, मार्च में 1,228, अप्रैल में 1,201 और मई में 1,062 मामले सामने आए। जून में मामलों में फिर से बढ़ोतरी शुरू हुई, जब संक्रमण के 1,384 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद जुलाई में 2,339 और अगस्त में 3,315 मामले सामने आए।

पिछले साल की तुलना में यह बढ़ोतरी काफी अहम है। पिछले साल जुलाई में डेंगू के 1,880 मामले थे जो इस साल जुलाई में बढ़कर 2,339 हो गए, जबकि अगस्त में संक्रमण के मामले 1,832 से बढ़कर 3,315 हो गए।

चेन्नई में सबसे ज़्यादा मामले सामने आए हैं।

विमेंस जूनियर एशिया कप 2026

जीत के साथ भारत का अभियान शुरू

भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया

गत चैंपियन भारत ने मोकी में खेले गए मैच में साउथ कोरिया को 4-1 से शिकस्त दी। सानिका, पूर्णिमा, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल दागे।

एजेंसी ■

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर विमेंस हॉकी टीम ने शनिवार को जीत के साथ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की। गत चैंपियन ने मोकी में खेले गए इस मैच में साउथ कोरिया को 4-1 से शिकस्त दी। भारत ने विमेंस जूनियर एशिया कप के पिछले दो संस्करण जीते हैं।

साउथ कोरिया के खिलाफ भारत ने पूरे मैच में संयमित और दबदबे वाला खेल दिखाया। भारत की तरफ से सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल दागे। वहीं, कोरिया के लिए किल गैबिन ने सांत्वना गोल किया।

भारत ने पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। मुकाबले के 8वें मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल करके भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय टीम ने साउथ कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाए। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी अपना आक्रामक रुख जारी रखते हुए शुरुआती पांच मिनटों के भीतर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। शुरुआती प्रयास के बाद उन्हें एक री-पीसी (दोबारा पेनाल्टी कॉर्नर) मिला, लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका।

साउथ कोरिया ने बढ़ते दबाव के साथ जवाबी हमला किया और बराबरी का गोल करने की कोशिश में 5 मिनट के भीतर लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने विपक्षी खेमे के इरादों पर पानी फेर दिया।

इसके बाद भारत ने खेल पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और दूसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में एक और पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस बार, भारतीय टीम ने एक बेहतरीन रणनीति अपनाई और पूर्णिमा यादव ने 30वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया, जिससे टीम हाफ-टाइम में 2-0 की बढ़त के साथ गई।

साउथ कोरिया तीसरे क्वार्टर में नए इरादे के साथ उतरा और मैच में वापसी की कोशिश की। हालांकि, भारत का डिफेंस दबाव में भी मजबूत बना रहा। भारत की लगातार कोशिशों का फल तीसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में मिला जब उन्होंने एक और पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया।

यूएस ओपनः बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।

23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी।

इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं। टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी।

टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाइटी 2026 में नूरजहां का जलवा, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। भारत की स्टार पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी नूरजहां नूरअली जमानी ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाइटी 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने क्लास 7 सिंगल्स में सिल्वर मेडल और क्लास 7 स्टैंडिंग डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इन दो मेडल की बदौलत नूरजहां को विश्व रैंकिंग में भी बड़ा फायदा मिला। वह 8 स्थान की छलांग लगाकर 19वें नंबर पर पहुंच गई हैं। पजुलाहटी ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में खेलते हुए नूरजहां को सिंगल्स मुकाबले में शुरुआत में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई। उन्होंने जर्मनी की बिरगिट बॉमगार्टनर के खिलाफ 0-3 की हार के साथ शुरुआत की, लेकिन आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर के खिलाफ 3-0 से जीत हासिल करके वापसी की। उनका सबसे मुश्किल सिंगल्स मुकाबला मकाऊ की यू चोई होंग के खिलाफ था, जहां नूरजहां ने आखिरी दो गेम 13-11, 13-11 से जीतकर 3-2 से जीत हासिल की और सिल्वर मेडल पक्का किया।

नूरजहां नूरअली जमानी ने शिवम पाल के साथ मिलकर स्टैंडिंग डबल्स स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन किया और ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत दमदार अंदाज में की।

मानव सुथार ने काउंटी डिविजन वन में 7 विकेट लिएः वारविकशायर ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया

रॉब येट्स ने जड़ा शतक

विश्व केसरी ■

इंग्लैंड। इंग्लैंड के साउथैंप्टन में काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन-1 के मुकाबले में भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी की। वारविकशायर की ओर से खेल रहे सुथार ने हैम्पशायर की दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया।

हैम्पशायर ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, वारविकशायर ने पहली पारी में बनाए 398 रन

मुकाबले की शुरुआत में हैम्पशायर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, वारविकशायर के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। वारविकशायर ने अपनी पहली पारी में मजबूत बल्लेबाजी करते हुए 398 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वारविकशायर की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉब येट्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने 208 गेंदों का सामना करते हुए 13 चौके और 1 छक्के की मदद से 109 रन बनाए। उनके अलावा सैम हेन ने 90 रन, डैन मौसली ने 77 रन और काय स्मिथ ने 51 रन का अहम योगदान दिया। हैम्पशायर की ओर से गेंदबाजी करते हुए काइल एबोट ने पहली पारी में सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

हली पारी में 115 रन पर सिमटी हैम्पशायर, मानव ने लिए 3 विकेट

398 रनों के जवाब में उतरी हैम्पशायर की पहली पारी भारतीय स्पिनर मानव सुथार और वारविकशायर के तेज गेंदबाजों के सामने ढह गई। पूरी टीम पहली पारी में महज 115 रनों पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर के लिए टोबी एल्बर्ट ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए।

वारविकशायर के लिए पहली पारी में मानव सुतार ने बेहद किफायती और खतरनाक गेंदबाजी करते हुए 16 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके साथी गेंदबाज इथान बांबर और ओलिवर हानन ने भी शानदार साथ निभाते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए।

283 रन की लीड मिलने पर मिला फॉलोऑन, दूसरी पारी में मानव ने चटकाए 4 विकेट

पहली पारी के आधार पर वारविकशायर को 283 रनों की विशाल बढ़त मिली, जिसके बाद उन्होंने हैम्पशायर को फॉलोऑन खेलने के लिए मैदान पर उतारा। दूसरी पारी में भी हैम्पशायर के बल्लेबाज भारतीय स्पिनर के सामने असहाय नजर आए। हैम्पशायर की पूरी टीम दूसरी पारी में केवल 154 रन बनाकर सिमट गई।

लंदन स्क्वैश क्लासिकः अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की शिवसांगरी से हारीं

विश्व केसरी ■

लंदन। भारत की अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। मलेशिया की तीसरी सीड शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने अनाहत को हराया।

मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत मुकाबले की शुरुआत से ही खुद को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शिवसांगरी ने रैलियों को नियंत्रित किया और लगातार अनाहत को कोर्ट के पीछे धकेलते हुए सिर्फ 17 मिनट में 11-4, 11-4 से जीत हासिल की।

इस नतीजे के साथ यूएसडी 144,000 पीएसए गोल्ड इवेंट में अनाहत का सफर खत्म हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने आठवीं सीड वाली बेल्जियम की नेले गिलिस को तीन गेम के कड़े मुकाबले में हराकर आखिरी आठ में जगह बनाई थी। लंदन स्क्वैश क्लासिक की पूर्व चैंपियन शिवसांगरी अब सेमीफाइनल में दूसरी सीड वाली मिस्र की अमीना ओरफी से भिड़ेंगी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ओरफी, मलेशियाई खिलाड़ी का इंतजार कर रही हैं।

शिवसांगरी ने भारतीय युवा खिलाड़ी पर अपनी आसान जीत का क्रेडिट अपने टैक्टिकल अप्रोच और इंटेंसिटी बनाए रखने की क्षमता को दिया। मलेशियाई खिलाड़ी ने स्क्वैशटीवी से कहा, 'मैं आज अपने खेल से खुश हूं। अनाहत बहुत प्रतिभावान खिलाड़ी है।

एएचएफ जूनियर एशिया कपः भारतीय टीम ने इंडोनेशिया को 14-0 से हराया

विश्व केसरी ■

मोकी। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब के बचाव की शानदार शुरुआत की। भारतीय टीम ने शनिवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 14-0 से हराया। कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 12 गोल किए।

प्रभदीप सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने पांच बार गोल करके 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कप्तान अनमोल ने चार गोल किए और यादव ने तीन गोल किया। हरपाल और आशु मौर्य ने बाकी दो गोल किए।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज बताया। भारतीय टीम बार-बार इंडोनेशियाई सर्कल में घुसी और गोल के मौके बनाए। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, जिसके बाद हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। इंडोनेशिया को भारतीय आक्रमण की रफ्तार और मूवमेंट का सामना करने में मुश्किल हुई। पहला क्वार्टर में भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने दूसरे क्वार्टर में भी मौके बनाए। अनमोल ने 16वें मिनट में गोल किया जब इंडोनेशियाई डिफेंस को पेनल्टी स्ट्रोक से पेनल्टी मिली। यादव ने चार मिनट बाद एक और गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। फिर प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 6-0 की बड़ी बढ़त के साथ हाफ-टाइम तक पहुंचाया।

ब्रेक के बाद इंडोनेशिया को राहत नहीं मिली, क्योंकि भारत ने दबदबा बनाए रखा। अनमोल सेट-पीस से खास तौर पर असरदार रहे, उन्होंने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपने स्कोर में दो और गोल जोड़े। तीसरा क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने फिर से गोल किया, जिससे स्कोर 9-0 हो गया।

आखिरी क्वार्टर मैच का सबसे फायदेमंद समय साबित हुआ क्योंकि भारत ने पांच और गोल किया।

अनमोल ने 51वें मिनट में अपने चार गोल पूरे किए, इससे एक मिनट बाद प्रभदीप ने फिर गोल करके मैच का अपना पांचवां गोल किया।

यूएस ओपनः नवारो, टाउनसेंड, पेगुला, नोस्कोवा चौथे राउंड में पहुंची

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। एम्मा नवारो ने यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को हरा दिया। वहीं, टेलर टाउनसेंड लगातार दूसरे साल चौथे राउंड में पहुंचीं।

नवारो ने अपनी पहली मुलाकात में सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ नवारो ने चौथे राउंड में जगह बना ली है।

छठी सीड लिंडा नोस्कोवा ने भी मुश्किल चुनौती का सामना किया। उन्होंने कोर्ट 17 पर अमेरिका की 29वीं सीड एन ली को 6-2, 6-7(6), 6-2 से हराया। 6-2, 3-0 की बढ़त के बाद नोस्कोवा पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं, लेकिन ली ने जबरदस्त वापसी करते हुए निर्णायक सेट में जगह बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में फोरहैंड विनर से मैच पॉइंट भी बचाया और फिर मुकाबला बराबर कर दिया। नोस्कोवा ने तब नियंत्रण हासिल किया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, और तीसरे सेट के आखिरी चार गेम जीत लिए। टेलर टाउनसेंड ने 15वीं सीड डायना श्नाइडर को 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-7(3), 6-3 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पहला सेट सिर्फ 30 मिनट में जीतने के बाद वह आसानी से जीत की ओर बढ़ती दिखीं। लेकिन, श्नैडर ने दूसरे सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और आखिरकार अपने सातवें सेट पॉइंट पर एक डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया।

अमेरिकन खिलाड़ी ने जोरदार जवाब दिया, आखिरी तीन गेम जीतकर एक और चौथे राउंड में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 एरिना सबालेंका से होगा।

तीसरी सीड जेसिका पेगुला भी एक मुश्किल दौर से उबरीं, उन्होंने एक खराब शुरुआती सेट से उबरते हुए 31वीं सीड लेयला फर्नांडीज को 2 घंटे 11 मिनट में 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस नतीजे से पेगुला की टूर्नामेंट को दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी के तौर पर खत्म करने की उम्मीदें जिंदा हैं। हालांकि यह कामयाबी हासिल करने के लिए उन्हें अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतना होगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251